NIOS PYQ's SOLUTIONS

PREVIOUS YEARS' QUESTIONS & ANSWERS

APRIL-2025

Your Path to Success

खंड - अ

SET - A

निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

1. आज़ादी तनहाई के लिए ________ है।

उत्तर - आज़ादी तनहाई के लिए _महफ़िल_ है।

2. बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता में निम्नलिखित में से कौन-सी विशेषता नहीं मिलती?

(A) मानवीकरण **(B) प्रश्न शैली**

(C) दृश्यात्मकता **(D) ओजस्विता**

उत्तर - (D) ओजस्विता

3. निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए:

(क) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में 'हाथ पीले करना' मुहावरा का अर्थ ________ है ।

(ख) आह्वान कविता के अनुसार सब मिलकर देश को एकता के सूत्र में बाँधों और ________ उद्देश्य को पूरा करने के लिए काम करें।

(ग) कवि वृंद के अनुसार जड़मति का अर्थ है, जिसकी ________ का विकास न हुआ हो या जो मूर्ख हो।

उत्तर - (क) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में 'हाथ पीले करना' मुहावरा का अर्थ _शादी कर लेना_ है ।

(ख) आह्वान कविता के अनुसार सब मिलकर देश को एकता के सूत्र में बाँधों और _सुख -शांतिमय_ उद्देश्य को पूरा करने के लिए काम करें।

(ग) कवि वृंद के अनुसार जड़मति का अर्थ है, जिसकी _बुद्धि_ का विकास न हुआ हो या जो मूर्ख हो।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए:

(क) धन आवश्यकता के अनुसार ही अच्छा होता है। कबीर के अनुसार उससे अधिक होने पर ________ पालने की अपेक्षा दान देना ________ है।

(ख) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में कवि ने पोखर के पानी में चाँद के ________ में गोल ________ की कल्पना की है।

उत्तर - (क) धन आवश्यकता के अनुसार ही अच्छा होता है। कबीर के अनुसार उससे अधिक होने पर _व्यसन_ पालने की अपेक्षा दान देना _बेहतर_ है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ख) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में कवि ने पोखर के पानी में चाँद के **प्रतिबिंब** में गोल **खंभे** की कल्पना की है।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए:

(क) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता में नदियों के ________ पानी, उनमें बढ़ते ________ को लेकर दुख प्रकट किया है।

(ख) आज़ादी कविता में उस्ताद ________ भाषा का और लैंपपोस्ट ________ भाषा का शब्द है।

उत्तर -

(क) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता में नदियों के **गंदे** पानी, उनमें बढ़ते **प्रदूषण** को लेकर दुख प्रकट किया है।

(ख) आज़ादी कविता में उस्ताद **फारसी** भाषा का और लैंपपोस्ट **अंग्रेजी** भाषा का शब्द है।

6. निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

सुनता हूँ, मैंने भी देखा,
काले बादल में रहती चाँदी की रेखा।
काले बादल जाति द्वेष के,
काले बादल विश्व क्लेश के,
काले बादल उठते पथ पर,
नए स्वतन्त्रता के प्रवेश के !
सुनता आया हूँ, है देखा,
काले बादल में हँसती चाँदी की रेखा !
आज दिशा है घोर अंधेरी,
नभ में गरज रही रण-भेरी,
चमक रही चपला क्षण-क्षण पर,
झनक रही झिल्ली झन-झन कर;
नाच-नाच आँगन में गाते केका-केकी,
काले बादल में लहरी चाँदी की रेखा।
काले बादल, काले बादल,
मन भय से हो उठता चंचल !
कौन हृदय में कहता पल-पल,
मृत्यु आ रही साजे दलबल !
आग लग रही, घात चल रहे,
विधि का लेखा !
काले बादल में छिपी चाँदी की रेखा !
मुझे मृत्यु की भीति नहीं है,
पर अनीति से प्रीति नहीं है,
यह मनुजोचित रीति नहीं है,
जन में प्रीति-प्रतीति नहीं है।
देश जातियों का कब होगा,
नव मानवता में रे एका,
काले बादल में कल की,
सोने की रेखा !

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(क) कवि के अनुसार काले बादल किसके प्रतीक हैं?

(A) बारिश के **(B) विश्व क्लेश के**

(C) अंधेरे के **(D) मृत्यु के**

उत्तर - (B) विश्व क्लेश के

(ख) कवि को किसका भय नहीं है?

(A) शत्रु का **(B) शासन का**

(C) संघर्ष का **(D) मृत्यु का**

उत्तर - (D) मृत्यु का

(ग) 'काले बादल में रहती चाँदी की रेखा' पंक्ति से कवि क्या कहना चाहते हैं?

(A) बादल में सफेद रेखा है।

(B) विपत्तियों के बीच आशा की किरण दिखाई देती है।

(C) काले बादल में चाँदी लगी है।

(D) काले बादलों में बिजली चमक रही है।

उत्तर - (B) विपत्तियों के बीच आशा की किरण दिखाई देती है।

(घ) कवि को किस से प्रीति नहीं है?

(A) अनीति से **(B) वर्षा से**

(C) बादल से **(D) चाँदी से**

उत्तर - (A) अनीति से

निम्नलिखित प्रश्नों में दिए रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

7. "बहादूर, आकर नाश्ता क्यों नहीं कर लेते?" बहादुर कहानी में यह कथन किसका है?

(A) किशोर **(B) वाचक**

(C) निर्मला **(D) रिश्तेदार**

उत्तर - (C) निर्मला

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

8. 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी में मिरज़ा के घर के नौकर-चाकर शतरंज के खेल को _____ खेल बोलते थे।

(A) मनहूस **(B) अच्छा**

(C) समझदार **(D) मज़ेदार**

उत्तर - (A) मनहूस

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए:

9. गौरैया सुखी राजकुमार के सान्निध्य में क्या सीखती है?

(A) तरस खाना **(B) निस्वार्थ प्रेम**

(C) दया करना **(D) आत्मविश्लेषण**

उत्तर - (B) निस्वार्थ प्रेम

10. अंधेर नगरी नाटक में 'टके सेर भाजी टके सेर खाज़ा' में निहित व्यंग्यार्थ है _______

(A) सभी चीज़ें बहुत सस्ती हैं।

(B) एक टके की एक सेर भाजी खाओ।

(C) गुणों और मूल्यों की कदर नहीं है।

(D) सभी नागरिकों को समान महत्व मिले।

उत्तर - (C) गुणों और मूल्यों की कदर नहीं है।

11. सार लेखक को मूल भाव और उसको पुष्ट करने वाले संबंधित बिंदुओं की पहचान कर उनको क्या देना होता है?

(A) क्रम **(B) उदाहरण**

(C) शीर्षक **(D) दोहराव**

उत्तर - (A) क्रम

निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए:

12. अखबार में कार्टून छापने का उद्देश्य ________ और ________ टिप्पणी करना है।

उत्तर - अखबार में कार्टून छापने का उद्देश्य _मनोरंजन_ और _तीखी_ टिप्पणी करना है।

13. अनौपचारिक पत्र अपनों को प्रेम भरे भावों से स्वाभाविक ________ की ________ में लिखे जाते हैं।

उत्तर - अनौपचारिक पत्र अपनों को प्रेम भरे भावों से स्वाभाविक **बातचीत** की **शैली** में लिखे जाते हैं।

14. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

(क) मानव-शरीर का अध्ययन करने वाले प्राणि-विज्ञानियों का निश्चित मत है कि मानव-चित्त की भाँति मानव शरीर में ही बहुत-सी अभ्यासजन्य ________ रह गई हैं।

(ख) सुखी राजकुमार कहानी में देवदूत ________ का दिल और ________ की लाश ले आया।

उत्तर -

(क) मानव-शरीर का अध्ययन करने वाले प्राणि-विज्ञानियों का निश्चित मत है कि मानव-चित्त की भाँति मानव शरीर में ही बहुत-सी अभ्यासजन्य **सहज वृत्तियाँ** रह गई हैं।

(ख) सुखी राजकुमार कहानी में देवदूत **जस्ते** का दिल और **गौरैया** की लाश ले आया।

15. निम्नलिखित संवाद किस पात्र के हैं? पहचान कीजिए और रिक्त स्थान भरिए -

(क) "किसी के दिन बराबर नहीं जाते। कितनी दर्दनाक हालत है।"

उत्तर - मिरज़ा

(ख) "आधी तनखाह तो नौकर पर ही खर्च हो रही है, पर रुपया-पैसा कमाया किस लिए जाता है?" ________

उत्तर - निर्मला

16. नीचे दिए गए कथनों को उत्तर-पुस्तिका में लिखिए और बताइए कि वे सही हैं या गलत।

(क) सुखी राजकुमार कहानी में गौरैया के सब साथी कल दूसरे प्रपात तक उड़ जाएँगे।

(ख) पशुता को हराने के लिए स्व का बंधन आवश्यक नहीं है।

उत्तर -

(क) सुखी राजकुमार कहानी में गौरैया के सब साथी कल दूसरे प्रपात तक उड़ जाएँगे। (सही)

(ख) पशुता को हराने के लिए स्व का बंधन आवश्यक नहीं है। (गलत)

17. निबंध में ________ होनी चाहिए, वाक्य छोटे तथा ________ होने चाहिए।

(A) क्रमबद्धता, प्रभावशाली **(B) क्रम, गंभीर**

(C) कहानी, लम्बे **(D) कल्पना, प्रभावशाली**

उत्तर - (A) क्रमबद्धता, प्रभावशाली

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

18. नीचे दिए गए पाठों और पात्रों के सही युग्म चुनिए और उसे अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए-

पाठ का नाम	पात्र का नाम
(क) अंधेर नगरी	वाचक
(ख) बहादुर	नारायणदास

उत्तर -

पाठ का नाम	पात्र का नाम
(क) अंधेर नगरी	नारायणदास
(ख) बहादुर	वाचक

19. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

(क) समाचारों का चयन उनके महत्व और ________ के अनुसार किया जाता है।

(ख) सुखी राजकुमार कहानी में ________ स्थितियों का वर्णन किया गया है।

उत्तर -

(क) समाचारों का चयन उनके महत्व और **उपयोगिता** के अनुसार किया जाता है।

(ख) सुखी राजकुमार कहानी में **दयनीय** स्थितियों का वर्णन किया गया है।

20. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

समस्त ग्रंथों एवं ज्ञानी, अनुभवी जनों का कहना है कि जीवन एक कर्मक्षेत्र है। हमें कर्म करने के लिए जीवन मिला है। कठिनाइयाँ, दुख कष्ट आदि हमारे शत्रु हैं जिनका हमें सामना करना है और उनके विरुद्ध संघर्ष करके हमें विजयी बनना है। अंग्रेजी के यशस्वी नाटककार शेक्सपीयर ने कहा है, "कायर मनुष्य अपनी मृत्यु से पूर्व अनेक बार मृत्यु का अनुभव कर चुके होते है किंतु वीर एक से अधिक बार कभी नहीं मरते हैं।" विश्व के प्रायः समस्त महापुरुषों के जीवन वृत्त हमें यह शिक्षा देते हैं कि महानता का रहस्य संघर्षशील, और अपराजेय व्यक्तित्व है। महापुरुषों को अपने जीवन में अनेक संकटों का सामना करना पड़ा परंतु वे घबराए नहीं संघर्ष करते रहे और अंत में सफल हुए। संघर्ष के मार्ग पर अकेला ही चलना पड़ता है, कोई बाहरी शक्ति आप की सहायता नहीं करती है। परिश्रम, दृढ़ इच्छाशक्ति और लगन आदि मानवीय गुण व्यक्ति को संघर्ष करने और जीवन में सफलता प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करते हैं। समस्याएँ वस्तुतः जीवन का पर्याय है। यदि समस्याएँ न हों,तो आदमी प्रायः अपने को निष्क्रिय समझने लगेगा। समस्या को सुलझाते समय, उसकासमाधान करते समय व्यक्ति का श्रेष्ठतम तत्व उभर कर आता है। धर्म, दर्शन, ज्ञान, मनोविज्ञान इन्हीं प्रयत्नों की देन है। पुराणों में अनेक कथाएँ

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

यह शिक्षा देती हैं कि मनुष्य जीवन की हर स्थिति में जीना सीखें व समस्या उत्पन्न होने पर उसके समाधान के उपाय सोचें। जो व्यक्ति जितना उत्तरदायित्वपूर्ण कार् करेगा उतना ही उसके समक्ष समस्याएँ आएँगी और उनके परिप्रेक्ष्य में ही उसकी महानता का निर्धारण किया जाएगा।

(क) जीवन क्या है?

(A) धर्मक्षेत्र

(B) रणक्षेत्र

(C) कर्मक्षेत्र

(D) क्रीड़ाक्षेत्र

उत्तर - (C) कर्मक्षेत्र

(ख) संघर्ष के मार्ग पर कैसे चलना पड़ता है?

(A) अकेले ही

(B) झुकक

(C) समूह में

(D) पंक्तियों में

उत्तर - (A) अकेले ही

(ग) यदि समस्याएँ न हो, तो आदमी प्रायः अपने को कैसा समझने लगेगा?

(A) सक्रिय

(B) निष्क्रिय

(C) दानवीर

(D) सहनशील

उत्तर - (B) निष्क्रिय

(घ) महापुरुषों की महानता का रहस्य क्या है?

(A) उनकी दानशीलता

(B) उनकी सहनशीलता

(C) उनकी वीरता

(D) उनकी शक्ति

उत्तर - (C) उनकी वीरता

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए -

21. 'अपना सा मुँह लेकर रह जाना' मुहावरे का अर्थ है

(A) लज्जित होना

(B) घबरा जाना

(C) अकड़ना

(D) भाग जाना

उत्तर - (A) लज्जित होना

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

22. पुरुषोत्तम ________ समास का उदाहरण है।

(A) अव्ययीभाव

(B) द्वंद्व

(C) तत्पुरुष

(D) द्विगु

उत्तर - (C) तत्पुरुष

23. निम्नलिखित वाक्यों में से शुद्ध वाक्य है-

(A) मत मारो मुझे।

(B) मुझे मत मारो।

(C) मुझे मारो मत।

(D) मारो मत मुझे।

उत्तर - (B) मुझे मत मारो

24. प्रधानाचार्या प्रार्थना सभा में आईं और उन्होंने सदाचार पर भाषण दिया।

यह ________ वाक्य है।

(A) संयुक्त

(B) मिश्र

(C) सरल

(D) विधानसूचक

उत्तर - (A) संयुक्त

25. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए:

(i) परमेश्वर का संधि-विच्छेद ________ है।

(ii) उत्तरोत्तर का संधि-विच्छेद ________ है।

उत्तर - (i) परमेश्वर = परम + ईश्वर

(ii) उत्तरोत्तर = उत्तर + उत्तर

26. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए:

(i) सफल शब्द में ________ उपसर्ग है।

(ii) योग्यता शब्द में ________ प्रत्यय है।

उत्तर - (i) सफल शब्द में उपसर्ग = स

(ii) योग्यता शब्द में प्रत्यय = ता

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

27. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए:

(i) कमल, सुर, निडर, गति में से तद्भव शब्द है ________ ।

(ii) नासिका, गेहूँ, भिखारी, मोती में से तत्सम शब्द है ________ ।

उत्तर - (i) कमल, सुर, निडर, गति में से तद्भव शब्द है = निडर

(ii) नासिका, गेहूँ, भिखारी, मोती में से तत्सम शब्द है = नासिका

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

खंड 'ब'

28. निम्नलिखित काव्यांश के कवि और कविता का नामोल्लेख करते हुए काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए-

देखता हूँ मैं : स्वयंवर हो रहा है
प्रकृति का अनुराग अंचल हिल रहा है
इस विजन में,
दूर व्यापारिक नगर से,
प्रेम की प्रिय भूमि उपजाऊ अधिक है।

उत्तर -

देखता हूँ मैं.............. उपजाऊ अधिक है।

- **भाव सौंदर्य :** प्रस्तुत पंक्तियाँ केदारनाथ अग्रवाल द्वारा रचित कविता चंद्रगहना से लौटती बेर से ली गई है, जिसमें प्रकृति की सुंदरता और ग्रामीण जीवन की सरलता का बड़ा ही सजीव चित्रण किया है। इस कविता में कवि ने खेत में स्वयंवर के रूप में प्रकृति का वर्णन किया है, जहाँ चने, अलसी और सरसों के पौधे दूल्हा-दुल्हन की तरह सजे हैं। चारों ओर वातावरण में आकर्षण और अनुराग भरा हुआ है। यहाँ नगर की कृत्रिमता से दूर, ग्रामीण क्षेत्र की भूमि अधिक उपजाऊ और प्रेममयी दिखाई देती है।

- **शिल्प-सौंदर्य :**

1) मानवीकरण अलंकार का प्रयोग किया गया है।
2) कवि द्वारा प्रकृति के प्रति गहरा प्रेम को व्यक्त किया गया है।
3) सरल व सहज भाषा का प्रयोग किया गया है।
4) विवाह का दृश्य दिखाने के लिए उससे जुड़े शब्दों का प्रयोग किया गया है, जैसे- हाथ पीले करना, ब्याह मंडप, स्वयंवर आदि।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

अथवा

आओ, मिलें सब देश-बांधव हार बन कर देश के,
साधक बने सब प्रेम से सुख-शांतिमय उद्देश्य के,
क्या सांप्रदायिक भेद से ऐक्य मिट सकता अहो !
बनती नहीं क्या एक माला विविधा सुमनों को कहो?

उत्तर -

आओ, मिलें सब .... सुमनों को कहो?

- **भाव-सौन्दर्य :** प्रस्तुत पंक्तियाँ राष्ट्रकवि **मैथिलीशरण गुप्त** की ***आह्वान*** कविता से ली गई हैं। कवि इन पंक्तियों में देशवासियों को एकता और भाईचारे का संदेश देते हैं। वे कहते हैं कि भारत अनेक धर्मों, जातियों और संप्रदायों का देश है। अगर हम **आपसी भेदभाव भूलकर** मिलकर काम करें, तो हमारा देश **सुख, शांति और प्रगति** की ओर बढ़ सकता है।

कवि प्रश्न करते हैं कि **क्या जाति या संप्रदाय का भेद हमें एक होने से रोक सकता है?** उनका उत्तर है नहीं। जिस प्रकार अलग-अलग फूलों को मिलाकर सुंदर माला बनाई जाती है, वैसे ही विभिन्न समुदायों और विचारों के लोग भी प्रेम और सहयोग से एक होकर रह सकते हैं।

कवि का मुख्य संदेश है कि **एकता में ही शक्ति है**। हमें **भाईचारे और प्रेम** के साथ मिलकर देश की उन्नति के लिए काम करना चाहिए। यह विचार हमें सिखाता है कि **सभी लोग मिलकर ही देश को आगे बढ़ा सकते हैं**।

- **शिल्प-सौन्दर्य :**

1) सहज, स्पष्ट और आम बोलचाल की भाषा का प्रयोग किया गया है।
2) कविता में **रूपक अलंकार** का प्रयोग किया गया है।
3) कविता में **प्रेम** और **शांति** को महत्वपूर्ण उद्देश्य के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

29. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

क्या, होती है तुम्हारे भीतर धमस,
कटकर गिरता है जब कोई पेड़, धरती पर?
सुना है कभी,
रात के सन्नाटे में अंधेरे से मुँह ढाँप,
किस कदर रोती हैं नदियाँ?

उत्तर -

क्या, होती है...............रोती हैं नदियाँ?

- **प्रसंग :** प्रस्तुत पंक्तियाँ **'बूढ़ी पृथ्वी का दुख'** कविता से ली गई हैं, जिसकी लेखिका **निर्मला पुतुल** हैं। इन पंक्तियों के माध्यम से पेड़ों और नदियों के दुख को अभिव्यक्त किया है। यहाँ वे सभ्य कहे जाने वाले मनुष्य समाज से सवाल कर रही हैं, जो प्रकृति का विनाश करके भी संवेदनहीन बना रहता है।

- **व्याख्या :** यहाँ लेखिका पूछती है कि क्या किसी मनुष्य के भीतर दर्द की लहर नहीं उठती जब धरती पर कोई पेड़ कटकर गिरता है? पेड़ केवल पेड़ नहीं, बल्कि जीवनदाता हैं। उनका गिरना मानो धरती का एक हिस्सा टूटकर गिरना है।

इसी प्रकार कवयित्री नदियों के दुख को सामने रखती है। वे कहती हैं कि रात के सन्नाटे में नदियाँ अपना मुँह अंधेरे में छिपाकर रोती हैं, क्योंकि मनुष्य उन्हें प्रदूषित कर रहा है, उनमें कचरा, गंदा पानी और अपशिष्ट डालकर उन्हें नाले में बदल रहा है। नदियाँ अपने जल से सबको जीवन देती हैं, लेकिन बदले में मनुष्य ने उन्हें केवल पीड़ा दी है। कवयित्री चाहती हैं कि हम पेड़ों और नदियों की पीड़ा को अपनी पीड़ा समझें और उनके संरक्षण की दिशा में संवेदनशील बनें।

- **विशेष :**

1) बातचीत व प्रश्न शैली का प्रयोग किया गया है।
2) गुमसुम बूढ़ी पृथ्वी में मानवीकरण का प्रयोग किया गया है।
3) भावों के अनुकूल भाषा-प्रयोग है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

अथवा

पावस देखि रहीम मन, कोइल साधै मौन।
अब दादुर बक्ता भए, हमको पूछत कौन॥

उत्तर -

पावस देखि रहीम .... पूछत कौन॥

- **प्रसंग :** प्रस्तुत प्रसंग प्रसिद्ध कवि **"रहीम"** के दोहे से लिया गया हैं। यहाँ कवि ने जीवन की गहन सच्चाइयों और मानवीय स्वभाव को बड़ी सहजता से व्यक्त किया हैं। उन्होंने प्रकृति का सहारा लेकर ज्ञानी और अज्ञानी के व्यवहार का चित्रण किया है।

- **व्याख्या :** कवि रहीम कहते हैं कि जब वर्षा ऋतु आती है तो कोयल मौन हो जाती है। वह सोचती है कि अब तो मेंढक (वक्ता) बोलने लगे हैं, शोर मचाने लगे हैं, तो हमारी कद्र कौन करेगा। इस उपमा के माध्यम से कवि यह समझाना चाहते हैं कि जब समाज में अज्ञानी और मूर्ख लोग बढ़-चढ़कर बातें करने लगते हैं और उनके शोर में सबकी आवाज़ दब जाती है, तब विद्वान लोग मौन धारण कर लेते हैं। उनका मौन स्थायी नहीं होता, बल्कि केवल उतने समय तक होता है, जब तक अनुचित शोर बना रहता है। जैसे ही अनुकूल समय आता है, विद्वान फिर से अपने ज्ञान और विचारों के माध्यम से समाज को मार्गदर्शन देता है।

- **विशेष :**

1) सरल व सहज भाषा का प्रयोग किया गया है।
2) अन्योक्ति अलंकार का प्रयोग किया गया है।
3) यहाँ कोयल ज्ञानवान और विवेकी व्यक्ति का प्रतीक है और मेंढक अज्ञानी और शोर मचाने वाले व्यक्तियों के प्रतीक हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

30. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिखिए-

(क) आज़ादी कविता के अनुसार 'बलिदानी को जीवन' का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - 'आज़ादी' कविता के अनुसार बलिदानी का जीवन वही है, जो देश, समाज और मानवता के हित में अपने सुख-दुःख और प्राण तक अर्पित कर देता है।

(ख) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में गाँव के तालाब का सुंदर चित्रण है। उसका वर्णन कीजिए।

उत्तर - 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में कवि को नीले तालाब में उठती लहरियाँ दिखती हैं, जिनमें भूरे रंग की घास डोल रही है। साँझ के समय तालाब की सतह पर चमकता चाँद का प्रतिबिंब सौंदर्य बढ़ाता है।

(ग) आह्वान कविता के माध्यम से बताइए कि 'देश के प्रति आपके क्या कर्तव्य हैं?

उत्तर - 'आह्वान' कविता के अनुसार देश के प्रति हमारा कर्तव्य है- परिश्रम करना, संघर्षशील रहना, एकता बनाए रखना और राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानकर देश के विकास में योगदान देना।

(घ) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता के अनुसार 'पहाड़ मौन समाधि लिए बैठा है'। इसका आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता में "पहाड़ मौन समाधि लिए बैठा है" का अर्थ है कि पहाड़ शांत, स्थिर और तपस्वी-सा है, जिसे मनुष्य अपने स्वार्थ से नष्ट कर रहा है।

31. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिखिए-

(क) किशोर ने बहादुर को क्या काम सौंपे?

उत्तर - किशोर ने अपने सभी काम बहादुर को सौंप दिए जैसे - जूतों में पालिश, साइकिल साफ़ करना, कपड़े धोना और इस्त्री करना। साथ ही रात में बहादुर से शरीर की मालिश और मुक्की करवाई जाती थी।

(ख) नाखून क्यों बढ़ते हैं? पाठ के अनुसार इंडिपेंडेंस का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - नाखून क्यों बढ़ते हैं? पाठ के अनुसार इंडिपेंडेंस शब्द का अर्थ है - किसी के अधीन न होना। लेखक बताते हैं कि इसका मतलब केवल स्वतंत्रता नहीं, बल्कि किसी भी प्रकार के नियंत्रण से पूर्ण मुक्ति है।

(ग) 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी में प्रजा की स्थिति का वर्णन किस प्रकार किया गया है?

उत्तर - 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी में प्रजा को राजनीतिक चेतना से रहित, विलासिता में डूबी और अपने सामाजिक-राष्ट्रीय कर्तव्यों के प्रति उदासीन बताया गया है, जिसके कारण वे अंग्रेज़ों के आक्रमण के प्रति निष्क्रिय रहते हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(घ) सुखी राजकुमार की मूर्ति हटवाने के क्या कारण थे?

उत्तर - राजकुमार की तलवार का लाल, आँखों के नीलम और शरीर का सोना उतर चुका था। मूर्ति शोभाहीन लगने लगी, इसलिए मेयर और नगरवासियों ने उसे हटाने का निर्णय लिया।

32. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिखिए -

(क) मूल्यवान वस्तुएँ सस्ती होने पर भी महंत ने अंधेर नगरी में रहने के लिए क्यों मना किया?

उत्तर - महंत ने अंधेर नगरी में इसलिए रहने से मना किया क्योंकि वहाँ की शासन, न्याय और व्यापार व्यवस्था अव्यवस्थित थी। राजा-प्रजा मूर्ख थे और हर वस्तु का मूल्य समान था।

(ख) 'सुखी राजकुमार' कहानी में ईश्वर और उसके देवदूत की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

उत्तर - 'सुखी राजकुमार' कहानी में, ईश्वर और देवदूत करुणा, त्याग और न्याय के प्रतीक हैं। राजकुमार और गौरैया की निस्वार्थ सेवा से प्रसन्न होकर ईश्वर उन्हें स्वर्ग में स्थान देता है।

(ग) 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए।

उत्तर - 'शतरंज के खिलाड़ी' शीर्षक इसलिए सार्थक है क्योंकि यह पात्रों के शतरंज-प्रेम के साथ-साथ अवध के राजनीतिक पतन और शासक वर्ग की उदासीनता का प्रतीक बनकर सामने आता है।

33. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

सफलता और चरितार्थता में अंतर है। मनुष्य मारणास्त्रों के संचयन से, बाह्य उपकरणों के बाहुल्य से उस वस्तु को पा भी सकता है, जिसे उसने बड़े आड़म्बर के साथ सफलता का नाम दे रखा है। परंतु मनुष्य की चरितार्थता प्रेम में है, मैत्री में है, त्याग में है, अपने को सब के मंगल के लिए निःशेष भाव से दे देने में है। नाखूनों का बढ़ना मनुष्य की उस अंध सहजात वृत्ति का परिणाम है जो उस के जीवन में सफलता ले आना चाहती है, उसको काट देना उस स्वनिर्धारित, आत्मबंधन का फल है, जो उसे चरितार्थता की ओर ले जाता है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

उत्तर - पाठ का नाम - नाखून क्यों बढ़ते हैं।

लेखक का नाम - हजारी प्रसाद द्विवेदी।

(ख) मनुष्य की चरितार्थता किस-किस में है?

उत्तर - मनुष्य की चरितार्थता प्रेम में, मैत्री में, त्याग में और सबके मंगल के लिए निःस्वार्थ भाव से अपने को देने में है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ग) मनुष्य अपनी सच्ची जीत कैसे सिद्ध करता है?

उत्तर - मनुष्य अपनी सच्ची जीत अपने स्वनिर्धारित आत्मबंधन के माध्यम से, नाखून काटने जैसे प्रतीकों द्वारा, अपने जीवन को चरितार्थता की ओर ले जाकर और दूसरों के लिए त्याग व सेवा करके सिद्ध करता है।

अथवा

उसके बाद ओले गिरे और फिर पाला पड़ने लगा। सड़कें चमकदार बर्फ से ढककर चाँदी की मालूम होने लगी। छज्जों से बड़े-बड़े बर्फ के टुकड़े लटकने लगे। सभी फ़र के ओवरकोट पहनकर निकलने लगे। बेचारी नन्हीं गौरैया ठंड से अकड़ने लगी; लेकिन वह उसे इतना प्यार करती थी कि उसे वह छोड़ नहीं सकती थी। अंत में उसे लगा की अब उसके दिन करीब हैं। अब उसके परों में केवल इतनी शक्ति शेष थी कि वह राजकुमार के कंधों तक एक बार उड़ सकती थी।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

उत्तर - पाठ का नाम - सुखी राजकुमार

लेखक का नाम - ऑस्कर वाइल्ड

(ख) गद्यांश में वर्णित प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

उत्तर - गद्यांश में शीत ऋतु का सुंदर चित्रण है। ओले और पाले से सड़कें चाँदी जैसी चमकती हैं, बर्फ के टुकड़े लटकते हैं, और वातावरण ठंड और सौंदर्य से भरा है।

(ग) इस गद्यांश से गौरैया के चरित्र की किन विशेषताओं का पता चलता है?

उत्तर - गौरैया साहसी और धैर्यशील है। वह अपने प्रिय राजकुमार के प्रति स्नेही और प्रेमपूर्ण है। विपरीत परिस्थितियों में भी त्याग, समर्पण और वफादारी दिखाती है, अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना पूरी शक्ति से मदद करती है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

34. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

बादशाह को लिए हुए सेना सामने से निकल गई। उनके जाते ही मिरज़ा ने फिर बाज़ी बिछा दी। हार की चोट बुरी होती है। **मीर** ने कहा - आइए नवाब साहब के मातम में एक मरसिया कह डालें। लेकिन, मिरज़ा की राजभक्ति अपनी हार के साथ लुप्त हो चुकी थी। वे हार का बदला चुकाने के लिए अधीर हो रहे थे। शाम हो गई। खंडहर में चमगादड़ों ने चीखना शुरू किया। अबाबीलें आ-आ कर अपने-अपने 'घोंसलों' में चिमटीं। पर दोनों खिलाड़ी डटे हुए थे।

उत्तर -

बादशाह को लिए हुए .... खिलाड़ी डटे हुए थे।

- **प्रसंग :** प्रस्तुत अवतरण प्रसिद्ध लेखक **"मुंशी प्रेमचंद"** की कहानी **'शतरंज के खिलाड़ी'** से लिया गया है। इसमें नवाब वाजिद अली शाह के शासनकाल और लखनऊ की ऐयाशी भरी संस्कृति का चित्रण किया गया है।

- **व्याख्या :** इस अंश के माध्यम से लेखक ने उस समय का चित्रण है जब अंग्रेज़ी सेना लखनऊ के राजा वाजिद अली शाह को बंदी बनाकर ले जा रही थी। परंतु मीर और मिर्ज़ा अपने शतरंज के खेल में इतने व्यस्त थे कि न राजा की गिरफ़्तारी का उन्हें ग़म हुआ और न देश के बिगड़ते हालात की चिंता। मीर ने नवाब के मातम पर मरसिया कहने का सुझाव दिया, पर मिर्ज़ा को इससे कोई मतलब नहीं था। उनकी देशभक्ति और राजभक्ति उनकी बाज़ी की हार के साथ समाप्त हो चुकी थी। और वे केवल हार का बदला लेने के लिए बेचैन हो उठे। शाम हो चुकी थी, खंडहर में अंधेरा और उदासी फैल गई थी, फिर भी वे खेल में डटे रहे। लेखक यह बताना चाहते हैं कि जब समाज के जिम्मेदार लोग अपने कर्तव्यों से मुंह मोड़ लेते हैं और केवल व्यक्तिगत सुखों में लिप्त रहते हैं, तो राष्ट्र कमजोर और गुलाम हो जाता है।

- **विशेष :**

1. सरल और सहज भाषा का प्रयोग हुआ है।
2. **अरबी** भाषा के शब्द का प्रयोग किया गया है।
3. अमीर वर्ग की लापरवाही और देश के संकट के प्रति उदासीनता पर व्यंग्य किया गया है।

अथवा

किशोर तो जैसे उसकी जान के पीछे पड़ गया था। वह उदास रहने लगा और काम में लापरवाही करने लगा। एक दिन मैं दफ़्तर से विलंब से आया। निर्मला आँगन में चुपचाप सिर पर हाथ रखकर बैठी थी। अन्य लड़कों का पता नहीं था केवल लड़की अपनी माँ के पास खड़ी थी। अँगीठी अभी जली नहीं थी। आँगन गंदा पडा था। बर्तन बिना मले हुए रखे थे। सारा घर जैसे काट रहा था।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर -

किशोर तो जैसे .... काट रहा था।

प्रसंग : प्रस्तुत अवतरण **'बहादुर'** पाठ से लिया गया है जिसके लेखक **"अमरकांत"** है। इस पंक्तियों में बहादुर पर किशोर और निर्मला द्वारा लगातार परेशान करने और डराने-धमकाने का असर दिखाया गया है।

व्याख्या : प्रस्तुत पंक्तियों में बहादुर पर चोरी का आरोप लगाने के बाद से किशोर तो उसकी जान के पीछे पड़ गया था और उसे परेशान करने लगा था, उसे निरंतर डाँट-फटकार सहनी पड़ रही थी, जिसके कारण वह उदास रहने लगता है और काम में लापरवाही करने लगता है।

एक दिन वाचक दफ्तर से देर से घर आया, तो देखा कि निर्मला आँगन में चुपचाप बैठी थी।, सिर पर हाथ रखकर अपने दुःख और चिंता को व्यक्त कर रही थी। घर में अन्य लड़कों का पता नहीं था और केवल लड़की अपनी माँ के पास खड़ी थी। अँगीठी भी अभी जली नहीं थी। घर का वातावरण बहुत ही उदास और अशांत था। आँगन गंदा पड़ा था और बर्तन बिना मले हुए रखे थे।

विशेष :

1. भाषा सरल और सहज है, परन्तु उसके माध्यम से गहरी नैतिक और सामाजिक बात कही गई है।
2. इस कहानी की भाषा पात्रों के व्यक्तित्व और उनके भावों के अनुकूल है।
3. बहादुर के अकेलेपन और पीड़ा को प्रभावशाली ढंग से दिखाया गया है।

35. निम्नलिखित गद्यांश का सार एक-तिहाई शब्दों में लिखिए -

'दैव-दैव आलसी पुकारा' उक्ति का अर्थ है कि आलसी व्यक्ति ही भाग्य की दुहाई देता है। वह भाग्य के भरोसे ही जीवन बिता देना चाहता है। सुख प्राप्त होने पर वह भाग्य की प्रशंसा करता है और दुख आने पर वह भाग्य को कोसता है। यह ठीक है कि भाग्य का भी हमारे जीवन में महत्व है, लेकिन आलसी बन कर बैठे रहना तथा असफलता प्राप्त होने पर भाग्य को दोष देना किसी प्रकार भी उचित नहीं। प्रयास और परिश्रम की महिमा सब जानते हैं। परिश्रम के बल पर मनुष्य भाग्य की रेखाओं को भी बदल सकता है। परिश्रम सफलता की कुंजी है। कहा भी है - यदि पुरुषार्थ मेरे दाएँ .हाथ में है तो विजय बाएँ हाथ में। परिश्रम से मिट्टी भी सोना उगलती है। आलसी और कामचोर व्यक्ति ही भाग्य के लेख पढ़ते हैं। कर्मठ व्यक्ति तो बाहुबल पर भरोसा करते हैं। परिश्रमी व्यक्ति स्वावलंबी, ईमानदार, सत्यवादी एव चरित्रवान होता है। आलसी व्यक्ति जीवन में कभी प्रगति नहीं कर सकता। आलस्य जीवन को जड़ बनाता है। आलसी परावलंबी होता है। इसलिए आलस छोड़कर परिश्रमी बनना चाहिए।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर - "दैव-दैव आलसी पुकारा' का अर्थ है कि आलसी व्यक्ति ही बार-बार भाग्य का सहारा लेता है। वह बिना प्रयास किए केवल किस्मत के भरोसे जीवन बिताना चाहता है। सुख मिलने पर भाग्य की प्रशंसा करता है और दुख आने पर उसे दोष देता है। यह सत्य है कि भाग्य का महत्व है, परंतु सफलता के लिए पुरुषार्थ और परिश्रम अनिवार्य है। परिश्रम से मनुष्य भाग्य की रेखाओं को भी बदल सकता है और विजय प्राप्त कर सकता है। परिश्रमी व्यक्ति स्वावलंबी, ईमानदार और चरित्रवान बनता है, जबकि आलस्य जीवन को जड़ बनाकर प्रगति रोक देता है। इसलिए आलस त्यागकर कर्मठ और पुरुषार्थी बनना चाहिए।

36. आपके बड़े भाई द्वारा दिल्ली से आपको भेजा गया पार्सल लंबी अवधि के बाद भी प्राप्त नहीं हुआ है। स्थानीय रेलवे अधिकारियों को इसकी शिकायत करते हुए पत्र लिखिए।

उत्तर -

56 / 2, टी. नगर,

तमिलनाडु

दिनांक : 25 अगस्त, 2025

सेवा में

स्टेशन मास्टर

चेन्नई रेलवे स्टेशन, चेन्नई।

विषय : लंबी अवधि के बाद भी पार्सल प्राप्त न होने की शिकायत

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मेरे बड़े भाई रोहित वर्मा ने 5 मार्च 2025 को दिल्ली से मुझे एक पार्सल भेजा था, जिसका टिकट संख्या 123456789 है। परंतु आज तक वह पार्सल मुझे प्राप्त नहीं हुआ है। मैंने पार्सल की स्थिति जानने के लिए संबंधित कार्यालय में कई बार संपर्क किया, लेकिन कोई संतोषजनक जानकारी नहीं मिली।

कृपया मेरी शिकायत पर तुरंत ध्यान देते हुए मुझे पार्सल की वर्तमान स्थिति के बारे में सूचित करने की कृपा करें और यदि पार्सल कहीं रुका हुआ है तो उसे शीघ्र मेरे पते पर पहुँचाने की व्यवस्था करें।
आपकी सहायता के लिए मैं आपका आभारी रहूँगा।

भवदीया
राजेश कुमार
संपर्क नंबर : 9876543210

संलग्नक : (पार्सल बुकिंग रसीद की फोटोप्रति।)

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

अथवा

अपनी अध्यापिका की अध्यापन शैली और व्यवहार की प्रशंसा करते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए।

उत्तर -

123, राम नगर,

नई दिल्ली - 110018

दिनांक : 27 अगस्त 2025

प्रिय नताशा नमस्ते!

आशा करती हूँ कि तुम स्वस्थ और प्रसन्न होगे। आज मैं तुम्हें अपनी अध्यापिका के बारे में बताना चाहता/चाहती हूँ, जिनकी अध्यापन शैली और व्यवहार मुझे बहुत प्रेरित करते हैं।

हमारी हिंदी की अध्यापिका का नाम सोनी है। वे बहुत ही सरल और रोचक तरीके से पढ़ाती हैं। कठिन से कठिन पाठ को भी वे उदाहरणों और कहानियों के माध्यम से इतना आसान बना देती हैं कि सब छात्र-छात्राएँ उसे तुरंत समझ लेते हैं। उनकी कक्षा में कभी ऊब महसूस नहीं होती, क्योंकि वे हमेशा नए-नए तरीकों से पढ़ाती हैं।

उनका स्वभाव भी बहुत सौम्य और मिलनसार है। वे कभी किसी छात्र पर क्रोध नहीं करतीं, बल्कि धैर्यपूर्वक उसकी समस्या को समझती हैं और समाधान बताती हैं। सभी विद्यार्थियों के साथ समान व्यवहार करना और उन्हें प्रोत्साहित करना उनकी सबसे बड़ी विशेषता है।

उनकी वजह से हमारी पढ़ाई में बहुत सुधार हुआ है और हम सभी उनके प्रिय शिष्य बन गए हैं। सच कहूँ तो वे हमारे लिए अध्यापिका ही नहीं, बल्कि मार्गदर्शक और मित्र जैसी हैं। तुम भी अपनी अध्यापिका के बारे में लिखना, मुझे जानकर खुशी होगी।

तुम्हारी मित्र,

रेखा

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

37. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबंध लिखिए :

(क) साहित्य समाज का मार्गदर्शक

(ख) राष्ट्रोत्थान में शिक्षा की भूमिका

(ग) मेरी प्रिय पुस्तक

(घ) करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान

उत्तर -

साहित्य समाज का मार्गदर्शक

भूमिका : साहित्य को समाज का दर्पण कहा गया है। यह केवल मनुष्य का मनोरंजन ही नहीं करता, बल्कि उसके जीवन को दिशा भी देता है। किसी भी सभ्य समाज के निर्माण में साहित्य की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। यह अच्छे-बुरे का भेद कराता है और लोगों के मन में जागरूकता पैदा करता है।

विषय-वस्तु : साहित्य समाज के जीवन, संस्कृति और मूल्यों को प्रकट करता है। जब समाज अंधविश्वास, कुरीतियों और अन्याय में डूब जाता है, तब साहित्यकार अपनी रचनाओं के माध्यम से सुधार का मार्ग दिखाते हैं।

कबीरदास ने अपने दोहों द्वारा पाखंड का विरोध किया और भक्ति व समानता का संदेश दिया। तुलसीदास ने रामचरितमानस में आदर्श जीवन और नैतिकता का मार्ग बताया। प्रेमचंद ने किसानों, मजदूरों और दलितों की व्यथा को उजागर कर समाज को न्याय का संदेश दिया।

साहित्य मनुष्य के हृदय में दया, प्रेम, सहानुभूति और त्याग जैसे गुणों का विकास करता है। यह केवल विचार नहीं देता, बल्कि चरित्र निर्माण भी करता है। जिस समाज में साहित्य का सम्मान होता है, वहाँ नैतिक और सांस्कृतिक उन्नति होती है।

उपसंहार : अतः निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि साहित्य समाज का सच्चा मार्गदर्शक है। यह लोगों को सही और गलत में भेद कराता है तथा जीवन के उच्च आदर्शों की ओर प्रेरित करता है। साहित्य के बिना समाज अंधकार में भटक सकता है, परंतु साहित्य के प्रकाश से वह निश्चित ही प्रगति और समृद्धि की ओर अग्रसर होता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

खंड - अ

SET - B

1. निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए -

(क) जड़मति से सुजान बनने की प्रक्रिया के लिए ____________ व्यवहार के उदाहरण के लिए कवि वृंद ने 'सिल पर परत निसान' का प्रयोग किया है इसलिए यहाँ ____________ अलंकार है।

(ख) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में कवि ने ____________ परिवेश से जुड़े प्रकृति-चित्रण को ____________ अलंकार के माध्यम से बहुत सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया है।

उत्तर -

(क) जड़मति से सुजान बनने की प्रक्रिया के लिए **दैनिक** व्यवहार के उदाहरण के लिए कवि वृंद ने 'सिल पर परत निसान' का प्रयोग किया है इसलिए यहाँ **दृष्टांत अलंकार** अलंकार है।

(ख) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में कवि ने **ग्रामीण** परिवेश से जुड़े प्रकृति-चित्रण को **मानवीकरण** अलंकार के माध्यम से बहुत सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया है।

निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए -

2. आज़ादी और कर्तव्य अर्थात ____________ के महत्व को जानकर ही शार्गिद के सारे भ्रम दूर हो जाते हैं।

उत्तर - आज़ादी और कर्तव्य अर्थात **श्रम** के महत्व को जानकर ही शार्गिद के सारे भ्रम दूर हो जाते हैं।

3. 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता के अनुसार पेड़, नदी, पहाड़, हवा आदि को मिलकर ____________ बनता है।

(क) संसार **(ख) पर्यावरण**

(ग) जंगल **(घ) शहर**

उत्तर - (ख) पर्यावरण

4. निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए-

(क) आह्वान कविता के कवि ____________ लोगों को पौरुष का पाठ पढ़ने के लिए कहते हैं।

(ख) कबीर के अनुसार सोने जैसा तन पाकर उसमें अच्छाई का विकास करने की जगह उसे ____________ बनाना किसी भी तरह प्रशंसा की बात नहीं हो सकती।

(ग) आज़ादी केवल ____________ नहीं होती। इसके अनेक संदर्भ और अर्थ हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर -

(क) आह्वान कविता के कवि **आलसी** लोगों को पौरुष का पाठ पढ़ने के लिए कहते हैं।

(ख) कबीर के अनुसार सोने जैसा तन पाकर उसमें अच्छाई का विकास करने की जगह उसे **बुराइयों का घर** बनाना किसी भी तरह प्रशंसा की बात नहीं हो सकती।

(ग) आज़ादी केवल **राजनीतिक** नहीं होती। इसके अनेक संदर्भ और अर्थ हैं।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।

(क) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में उन बगुला भक्तों का जिक्र है, जो अवसर मिलते ही दूसरों की जान तक ले लेते हैं। वे ____________ और ____________ है।

(ख) 'आह्वान' कविता के अनुसार पश्चिम के लोग ____________ के बल पर ही हर क्षेत्र में ____________ कर सके हैं।

उत्तर -

(क) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में उन बगुला भक्तों का जिक्र है, जो अवसर मिलते ही दूसरों की जान तक ले लेते हैं। वे **शोषक** और **संवेदनशून्य** है।

(ख) 'आह्वान' कविता के अनुसार पश्चिम के लोग **परिश्रम** के बल पर ही हर क्षेत्र में **विकास** कर सके हैं।

6. निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए -

ऐसा दीप जलाओ, जिस से घर-घर में उजियार,
प्राण-प्राण में नव चेतनता, नव रस का संचार।
जन-मन में सोई कल्याणी,
शाश्वत शक्ति जगाओ,
अणु अणु को अनुप्राणित कर दे-
वह अनुरक्ति जगाओ;
द्वार-द्वार पर जाकर निर्मल,
प्रीत-संदेस सुना दो,
सब के स्वर समलय हो जाएँ,
ऐसा राग बजा दो;
सहज सुरीला स्वर संधानो, सुरभित सांस-सितार।
उसने अपनी सुषमा अनगिन रूपों में बाँटी है,
कोटि-कोटि दीपों में लेकिन एक वही माटी है,
अलग-अलग बाती हैं, लेकिन एक वही ज्वाला है,
सब अधरों पर प्यास एक है,
अपना-अपना प्याला;
कितने कृष्ण, गोपियाँ कितनी, एक हृदय का ज्वार!
गहन तिमिर को उज्वल किरणों के वारीणों से काटो,
मानव से मानव की दूरी, दिव्य प्रेम से पाटो;
विभ्रम, मौन, मलिन यदि कोई,
थका, खड़ा हो पथ में, उसको मंजिल
तक ले जाओ, अपने करुणा रथ में;
सबको आलिंगन में भर लो,

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(क) कवि जन-मन में कैसी शक्ति जगाना चाहता है?

(i) मानसिक **(ii) शारीरिक**

(iii) शाश्वत **(iv) सांसारिक**

उत्तर - (iii) शाश्वत

(ख) कवि कैसा राग बज वाना चाहता है?

(i) सब के स्वर एक लय के हो जाएँ **(ii) सब मिलकर नृत्य करने लगें**

(iii) सब अपनी-अपनी रागनी सुनाएँ **(iv) सब के स्वर पंचम में पहुँच जाएँ**

उत्तर - (i) सब के स्वर एक लय के हो जाएँ

(ग) दीप ने अपनी सुपमा कितने रूपों में बाँटी हैं?

(i) सैकड़ों **(ii) हज़ारों**

(iii) दसियों **(iv) अनगिन**

उत्तर - (iv) अनगिन

(घ) दीप की अलग-अलग बाती होते हुए भी एक क्या है?

(i) आन **(ii) ज्वाला**

(iii) शान **(iv) वान**

उत्तर - (ii) ज्वाला

7. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

(क) एक हिंदी समाचार पत्र का नाम ____________ हैं।

(ख) 'शतरज के खिलाड़ी' पाठ के अनुसार ____________ जैसे विशाल देश के नवाब बंदी हो जाने पर भी लखनऊ ऐश की नींद में मस्त था।

उत्तर - (क) एक हिंदी समाचार पत्र का नाम **अमर उजाला** हैं।

(ख) 'शतरज के खिलाड़ी' पाठ के अनुसार **भारत** जैसे विशाल देश के नवाब बंदी हो जाने पर भी लखनऊ ऐश की नींद में मस्त था।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

निम्नलिखित प्रश्नों में दिए रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए -

8. नाखून क्यों बढ़ते है? पाठ के अनुसार कुछ लाख वर्ष पूर्व नाख़ून मनुष्य के लिए क्या थे?

(क) उपयोगी हथियार **(ख) सौंदर्य के प्रतीक**

(ग) मनुष्यता की पहचान **(घ) अनावश्यक अंग**

उत्तर - (क) उपयोगी हथियार

9. 'सुखी राजकुमार' कहानी के अनुसार मानवीय गुणों को मानवेतर प्राणियों द्वारा व्यक्त करने में है ____________ ।

(क) चमत्कार **(ख) विषमता**

(ग) विसंगति **(घ) विडंबना**

उत्तर - (घ) विडंबना

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पा में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँट कर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

10. 'शतरंज के खिलाड़ी' पाठ के माध्यम से दिखाया गया हैं :

(क) अंग्रेज़ शासकों का पतन

(ख) भारतीय शासकों का पतन

(ग) शतरंज के खेल का महत्त्व

(घ) हारने वाले खिलाड़ी का द्वेष

उत्तर - (ख) भारतीय शासकों का पतन

11. आपके द्वारा माताजी को लिखा जाने वाला पत्र किस श्रेणी में आता है?

(क) औपचारिक **(ख) कार्यालयी**

(ग) व्यक्तिगत **(घ) प्रार्थना पत्र**

उत्तर - (ग) व्यक्तिगत

12. सार लेखन में अभिव्यक्ति की कसावट के लिए किसका प्रयोग किया जाता हैं?

(क) पर्यायवाची शब्द **(ख) विलोम शब्द**

(ग) अनेक शब्दों या वाक्यांशों के लिए एक शब्द **(घ) मुहावरों का**

उत्तर - (ग) अनेक शब्दों या वाक्यांशों के लिए एक शब्द

निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

13. "अंधेर नगरी' नाटक में राजा की ___________ और ___________ को भी दिखाया गया है।

उत्तर - "अंधेर नगरी' नाटक में राजा की **आत्मकेंद्रिकता** और **विवेकहीनता** को भी दिखाया गया है।

14. इंट्रो के बाद समाचार थोड़े ___________ से दिया जाता है। इसे ही समाचार का ___________ कहते हैं।

उत्तर - इंट्रो के बाद समाचार थोड़े **विस्तार** से दिया जाता है। इसे ही समाचार का **ब्यौरा** कहते हैं।

15. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

(क) बहादुर भागते-भागते भी अपने ___________ होने का ___________ दे जाता है।

(ख) शतरंज के खिलाड़ी पाठ के लेखक हैं ___________।

उत्तर -

(क) बहादुर भागते-भागते भी अपने **निर्दोष** होने का **सबूत** दे जाता है।

(ख) शतरंज के खिलाड़ी पाठ के लेखक हैं **प्रेमचंद** ।

16. निम्नलिखित संवाद किस पात्र के हैं? पहचान कीजिए और रिक्त स्थान भरिए -

(क) "बाहर नहीं, भीतर की ओर देखो, हिंसा को मन से दूर करो।"

उत्तर - गाँधी जी

(ख) "यहाँ बहुत सर्दी पड़ने लगी, लेकिन कोई बात नहीं, मैं आज तुम्हारा काम कर दूँगी।"

उत्तर - गौरैया

17. नीचे दिए गए कथनों को अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए और बताइए कि वे सही है या गलत।

(क) बहादुर कहानी के अनुसार माध्यवर्ग केवल रहन-सहन और खान-पान में ही दिखावा नहीं करता, भाषा के स्तर पर भी करता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ख) अंधेर नगरी नाटक में मंत्री राजा की चापलूसी नहीं करता है।

उत्तर -

(क) बहादुर कहानी के अनुसार माध्यवर्ग केवल रहन-सहन और खान-पान में ही दिखावा नहीं करता, भाषा के स्तर पर भी करता है। **(सही)**

(ख) अंधेर नगरी नाटक में मंत्री राजा की चापलूसी नहीं करता है। **(गलत)**

18. भावात्मक निबंधों में __________ की तीव्रता होने के कारण एक प्रकार की आत्मीयता और __________ रहता है।

(क) भाव, अपनापन

(ख) चिंता, प्यार

(ग) भाव, मित्रता

(घ) चिंता, अपनापन

उत्तर - (क) भाव, अपनापन

19. नीचे दिए गए पाठों और पात्रों के सही युग्म चुनिए और उन्हें अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए -

पाठ का नाम	पात्र का नाम
बहादर	मेयर
सुखी राजकुमार	निर्मला

उत्तर -

पाठ का नाम	पात्र का नाम
बहादर	निर्मला
सुखी राजकुमार	मेयर

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

20. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढिए और उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए -

परिवर्तन प्रकृति का नियम है और परिवर्तन हीं अटल सत्य है। अतः पर्यावरण में भी परिवर्तन हो रहा है। लेकिन वर्तमान समय में चिंता की बात यह है कि जो पर्यावरणीय परिवर्तन पहले एक शताब्दी में होते थे, अब उतने ही परिवर्तन एक दशक में होने लगे हैं। पर्यावरण परिवर्तन की इस तेजी का कारण है - विस्फोटक ढंग से बढ़ती आबादी, वैज्ञानिक एवं तकनीकी उन्नति और प्रयोग तथा सभ्यता का विकास, ओजोन की परत की कमी और विश्व के तापमान में वृद्धि। 19 वी शताब्दी के अंतिम दशकों में सुपरसोनिक वायुयानों का आविष्कार हुआ और वे ऊपरी आकाश में उड़ाए जाने लगे। उन वायुयानों के द्वारा निष्कासित पदार्थों में उपस्थित नाइट्रिक ऑक्साइड के द्वारा ओज़ोन परत का क्षय महसूस किया गया। यह ओजोन परत वायुमंडल के समताप मंडल या बाहरी घेरे में होती है। शोध द्वारा यह भी पता चला कि वायुमंडल की ओजोन परत पर क्लोरो-फ्लोरो कार्बन प्रशीतक पदार्थ, नाभिकीय बिस्फोट इत्यादि का भी दुष्प्रभाव पड़ता है। इन रासायनिक गैसों द्वारा ओजोन की परत की हो रही कमी को ब्रिटिश वैज्ञानिकों द्वारा 1978 में गुब्बारों और रॉकेटों की मदद से अध्ययन किया गया। नवीनतम जानकारी के अनुसार अंटार्कटिका क्षेत्र के ऊपर ओजान परत में बड़ा छिद्रा पाया गया है। जिससे हो सकता है कि सूर्य की घातक विकिरण पृथ्वी पर पहुँच रही हो और पृथ्वी की सतह गरम हो रही हो।

(क) प्रकृति का नियम क्या है?

(i) पर्यावरण **(ii) विकास**

(iii) परिवर्तन **(iv) तकनीक**

उत्तर - (iii) परिवर्तन

(ख) ओज़ोन परत के क्षय होने का क्या कारण है?

(i) सुपरसोनिक वायुयान **(ii) नाइट्रिक ऑक्साइड**

(iii) क्लोरो-फ्लोरोकार्बन **(iv) गुब्बारे और रॉकेट**

उत्तर - (ii) नाइट्रिक ऑक्साइड

(ग) ध्रुवीय चक्रवात किसको अपनी ओर खींचते हैं?

(i) तापमान को **(ii) पर्यावरण को**

(iii) क्लोरो-फ्लोरो के अणुओं को **(iv) पराबैंगनी किरणों को**

उत्तर - (iii) क्लोरो-फ्लोरो के अणुओं को

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(घ) 1978 के अध्ययन के बाद कहाँ पर ओज़ोन परत में छिद्र था?

(i) महासागर के ऊपर **(ii) अंटार्कटिका में**

(iii) दक्षिण गंगोत्री में **(iv) आकाश गंगा में**

उत्तर - (ii) अंटार्कटिका में

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

21. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए -

(i) निम्न में से कौन सा शब्द तत्सम नहीं है - विवाह, शाक, मुखिया, जनता

(ii) अनशन, पुस्तक, दंड, साँस में से तद्भव शब्द है ________ ।

उत्तर - (i) मुखिया

(ii) साँस

22. 'आँखें फेर लेना' मुहावरे का अर्थ है -

(i) आँखे दिखाना **(ii) आँखे खुलना**

(iii) व्यवहार में बदलाव आना **(iv) आँख बंद कर लेना**

उत्तर - (iii) व्यवहार में बदलाव आना

23. अव्यवी भाव समास के लिए सही समस्त पद चुनिए -

(i) प्रतिदिन **(ii) चंद्रमुख**

(iii) सौदागर **(iv) रामाश्रय**

उत्तर - (i) प्रतिदिन

24. निम्नलिखित वाक्यों में शुद्ध वाक्य है -

(i) शीला ने आज चलचित्र देखा होगा। **(ii) देखा होगा शीला से आज चलचित्र।**

(iii) चलचित्र ने शीला आज देखा होगा। **(iv) होगा आज देखा शोला ने चलचित्र।**

उत्तर - (i) शीला ने आज चलचित्र देखा होगा।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

25. शिल्पकार मूर्तियाँ तो बनाता है किंतु उनका उचित लाभ नहीं उठा पाता।

यह _________ वक्य है -

(i) संयुक्त

(ii) सरल

(iii) मिश्र

(iv) प्रश्नवाचक

उत्तर - (i) संयुक्त

26. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए -

(i) महोदय का संधि-विच्छेद _________ हैं।

(ii) स्वागत का संधि-विच्छोद _________ हैं।

उत्तर -

(i) महोदय का संधि-विच्छेद **महा + उदय** हैं।

(ii) स्वागत का संधि-विच्छोद **सु + आगत** हैं।

27. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए -

(i) उपमान शब्द में _________ उपसर्ग हैं।

(ii) उष्णता शब्द में _________ प्रत्यय हैं।

उत्तर -

(i) उपमान शब्द में **'उप'** उपसर्ग हैं।

(ii) उष्णता शब्द में **'ता'** प्रत्यय हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

खंड 'ब'

28. निम्नलिखित प्रश्ना में से किन्ही तीन के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिखिए -

(क) कबीर के अनुसार गुरु-शिष्य के बीच किस प्रकार का संबंध होता है?

उत्तर - कबीर के अनुसार गुरु-शिष्य का संबंध आत्मिक होता है। गुरु भगवान से भी ऊपर है, क्योंकि वही शिष्य को ईश्वर की पहचान कराता है और मार्ग दिखाता है।

"गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पाय। बलिहारी गुरु आपनो, गोविंद दियो बताए॥"

इस दोहे में, कबीर कहते हैं कि अगर गुरु और भगवान दोनों सामने खड़े हों, तो पहले गुरु के चरण छूने चाहिए, क्योंकि गुरु ने ही हमें भगवान तक पहुँचने का रास्ता दिखाया है।

(ख) आह्वान कविता के अनुसार देश के प्रति हमारे भी कुछ कर्त्तव्य है। उनका उल्लेख कीजिए।

उत्तर - 'आह्वान' कविता के अनुसार, देश के प्रति हमारे कुछ महत्वपूर्ण कर्तव्य हैं। हमें अपने देश के लिए समर्पित रहना चाहिए और हर समय उसके हित में काम करने के लिए तैयार रहना चाहिए। देश की रक्षा करना और उसकी सुरक्षा के लिए प्रयास करना हमारा कर्तव्य है।

(ग) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता के अनुसार बगुला समाज के किस वर्ग का प्रतीक है और किन विशेषताओं को रेखांकित करता है?

उत्तर - 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में बगुला समाज के ढोंगी और कपटी वर्ग का प्रतीक है। यह उन लोगों को दर्शाता है जो बाहर से धार्मिक या शांत दिखते हैं, लेकिन भीतर से स्वार्थी और शोषक होते हैं। बगुला पानी में ध्यानस्थ मुद्रा में खड़ा रहता है, पर जैसे ही मछली दिखती है, तुरंत झपट्टा मारकर उसे पकड़ लेता है। यह आचरण उन लोगों की ओर संकेत करता है जो दिखावे के पीछे अपने स्वार्थ साधते हैं।

(घ) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता के अनुसार पानी के प्रदूषण के प्रमुख कारणों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर - **'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता के अनुसार पानी के प्रदूषण के प्रमुख कारण :**

1) नदियों में कूड़ा-कचरा और गंदगी डालना
2) कपड़े और मवेशियों को नदियों में धोना
3) धार्मिक अनुष्ठानों में दूषित वस्तुओं का उपयोग
4) मृत जीवों का जल में विसर्जन

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

29. निम्नलिखित काव्यांश के कवि और कविता का नामोल्लेख करते हुए काव्य सौंदर्य स्पष्ट कीजिए -

ऊँचे कुल का जनमिया, करनी ऊँच न होइ।
सुबरन कलस सुरा भरा, साधू निंदै सोइ॥

उत्तर -

भाव-सौन्दर्य : यह दोहा (साखी) संत कबीर की प्रसिद्ध रचनाओं में से है, जो व्यक्ति के कर्म और आचरण को ही असली पहचान मानते हैं। कबीर कहते हैं कि केवल ऊँचे कुल में जन्म लेना किसी की महानता का प्रमाण नहीं होता, जब तक उसके कर्म अच्छे न हों। उदाहरण के रूप में, यदि सोने के कलश में शराब भरी हो, तो वह किसी सज्जन को शोभा नहीं देता- उसी प्रकार बुरे कर्मों वाला व्यक्ति चाहे जितना भी उच्च वंश का हो, आदरणीय नहीं बनता।

शिल्प-सौन्दर्य :

1) **कवि -** कबीर
2) सहज, सरल और जनभाषा में रचित, जिससे हर वर्ग समझ सके।
3) दोहा जीवन-नीति और व्यवहार की सच्चाई को उजागर करता है।

अथवा

दर्ज़ी ने जवाब दिया :
"आज़ादी का मतलब है - भूखे को खाना, प्यासे को पानी
ठंड से ठिठुरते को ऊनी कपड़ा और थके-माँदें को बिस्तर"।

उत्तर -

भाव-सौन्दर्य : यह पंक्तियाँ आम जन की व्यथा और उनकी वास्तविक आवश्यकताओं को दर्शाती हैं। दर्ज़ी जैसे मेहनतकश व्यक्ति के दृष्टिकोण से आज़ादी का अर्थ केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि जीवन की बुनियादी जरूरतों की पूर्ति है- रोटी, पानी, कपड़ा और विश्राम।

शिल्प-सौन्दर्य-

1) **कवि -** मूल कवि बालचंद्रन चुल्लिक्काड और हिन्दी अनुवादक असद ज़ैदी
2) **कविता का नाम -** आजादी
3) सहज, स्पष्ट और आम बोलचाल की भाषा का प्रयोग।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

30. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

थोड़ा-सा वक्त चुरा कर बतियाया है कभी
कभी शिकायत न करने वाली
गुमसुम बूढ़ी पृथ्वी से उसका दुख?
अगर नहीं, तो क्षमा करना !
मुझे तुम्हारे आदमी होने पर संदेह है !!

उत्तर -

थोड़ा-सा वक्त .... पर संदेह है !!

प्रसंग : प्रस्तुत पंक्तियों को **'बूढ़ी पृथ्वी का दुख'** कविता से लिया गया हैं, जिसकी लेखिका **"निर्मला पुतुल"** हैं। इन पंक्तियों में कवयित्री ने पृथ्वी को बूढ़ी औरत के रूप में प्रस्तुत करते हुए उसके दुख को प्रकट किया है। साथ ही मनुष्य होने का वास्तविक अर्थ भी बताया है।

व्याख्या : कवयित्री ने इस अंश में पृथ्वी को एक बूढ़ी माँ के रूप में चित्रित किया है, जो शिकायत तो नहीं करती, लेकिन भीतर-भीतर गहरे दुख सहती है। यह दुख मनुष्य की स्वार्थपरता और उपभोक्तावादी प्रवृत्ति से पैदा हुआ है। आज मनुष्य केवल सुविधाएँ और भौतिक लाभ पाने की दौड़ में है। मानवीय मूल्य और ज़िम्मेदारियाँ पीछे छूट गई हैं। जैसे संतानें अपने बुजुर्ग माता-पिता की उपेक्षा करती हैं, वैसे ही मनुष्य ने धरती की उपेक्षा की है।

कवयित्री कहती है कि यदि तुमने यह सब नहीं किया, तो क्षमा करना, मुझे तुम्हारे आदमी होने पर संदेह है! ऐसा इसलिए कहा है क्योंकि मनुष्य से ही आशा की जाती है कि वह पृथ्वी का दुख समझे।

विशेष-

- बातचीत व प्रश्न शैली का प्रयोग किया गया हैं।
- गुमसुम बूढ़ी पृथ्वी में मानवीकरण का प्रयोग किया गया है।
- भावों के अनुकूल भाषा-प्रयोग है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

अथवा

और पैरों के तले है एक पोखर,
उठ रहीं इसमें लहरियाँ,
नील तल में तो उगी है घास भूरी,
ले रही वह भी लहरियाँ।
एक चाँदी का बड़ा-सा गोल खंभा,
आँख को है चकमकाता।

उत्तर -

और पैरों के तले .... को है चकमकाता।

प्रसंग : प्रस्तुत पंक्तियों को **'चंद्रगहना से लौटती बेर'** कविता से लिया गया हैं, जिसके रचयिता **"केदारनाथ अग्रवाल"** हैं। यह काव्य 'फूल नहीं, रंग बोलते है' संग्रह में सम्मिलित हैं। इसमें पोखर के दृश्य का चित्रण किया गया है।

व्याख्या : कवि को एक तालाब दिखाई दे रहा है, जिसमें छोटी-छोटी लहरें उठ रही हैं। तालाब का तल नीला है, लेकिन उसमें भूरे रंग की घास भी उगी है, जो लहरों के साथ हिल रही है। साँझ (संध्याकाल) का समय है और तालाब की सतह पर चाँद का प्रतिबिंब चमक रहा है। कवि ने चाँद को 'एक चाँदी का बड़ा गोल खंभा' कहा है। चाँद को खंभा जैसा दिखने का कारण यह है कि हिलते पानी में चाँद का प्रतिबिंब लंबा और खंभा जैसा दिखता है, जबकि शांत पानी में वह केवल एक गोल आकार का लगता है। लहरों वाले तालाब में किरणों के फिसलने से उसमें लंबाई प्रतीत होती है। इसलिए कवि को चाँद बड़ा और गोल खंभा जैसा महसूस होता है। यह कवि की सूक्ष्म दृष्टि और कल्पना का उदाहरण है।

विशेष-

- सरल-सहज शब्दों का प्रयोग किया गया हैं।
- काव्य में प्रकृति-सौंदर्य तथा ग्रामीण परिवेश के मोहक वातावरण को चित्रित किया गया हैं।
- काव्य में मानवीकरण अलंकार का प्रयोग किया गया हैं।

31. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

मिरज़ा घर से निकले, तो हकीम के घर जाने के बदले मीर साहब के घर पहुँचे और सारा वृत्तांत कहा। मीर साहब बोले - मैंने तो जब मुहरे बाहर आते देखे, तभी ताड़ गया। फौरन भागा। बड़ी गुस्सेवर मालूम होती है। मगर आपने उन्हे यों सिर चढ़ा रखा है, यह मुनासिब नहीं। उन्हें इससे क्या मतलब कि आप बाहर क्या करते हैं। घर का इंतज़ाम करना उनका काम है, दूसरी बातों से उन्हें क्या सरोकार?

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर -

मिरज़ा घर से निकले................क्या सरोकार?

प्रसंग : प्रस्तुत अवतरण **मुंशी प्रेमचंद** की प्रसिद्ध कहानी **'शतरंज के खिलाड़ी'** से लिया गया है। इसमें मिरज़ा साहब पत्नी से झगड़कर मीर साहब के पास शतरंज खेलने और हाल बताने आते हैं, लेकिन उनकी पत्नी ने उन्हें रंगे हाथों पकड़ लिया।

व्याख्या : प्रस्तुत पंक्तियों में मीर साहब मिरज़ा साहब को उनकी पत्नी के गुस्से और उनके प्रति बढ़ते अधिकार भाव के बारे में टिप्पणी करते हैं। मीर साहब कहते हैं कि जब उन्होंने मिरज़ा साहब की बीवी को घर से बाहर आते देखा, तभी समझ गए कि कुछ अनहोनी हो गई है, इसलिए वे तुरंत वहां से भाग निकले। वे मिरज़ा की पत्नी को 'गुस्सेवर' बताते हैं और मिरज़ा साहब को यह समझाते हैं कि उन्होंने अपनी पत्नी को बहुत अधिक छूट दे दी है, जो ठीक नहीं है।

मीर साहब का मानना है कि पत्नी का कार्य केवल घर का प्रबंध करना है, पति के बाहरी कार्यों में उसे दखल नहीं देना चाहिए। यह उस समय की सामाजिक सोच को दर्शाता है, जहाँ पुरुष प्रधान समाज में स्त्री को केवल घर की सीमाओं तक सीमित माना जाता था और उसका पति के निजी जीवन में हस्तक्षेप करना अनुचित समझा जाता था। यह संवाद दोनों मित्रों के आपसी संबंध, उनके शतरंज के प्रति लगाव, और पारिवारिक जिम्मेदारियों के प्रति उदासीनता को भी दिखाता है।

विशेष-

1) सहज और सरल भाषा का प्रयोग किया गया है।
2) मीर साहब की बातें पुरुष वर्चस्व और स्त्रियों की अवहेलना का प्रतीक हैं।
3) फ़ारसी और अरबी शब्दों का प्रयोग किया गया है जैसे - मुनासिब, हकीम, इंतज़ाम आदि।

अथवा

बरसात बीत गई थी। आकाश दर्पण की तरह स्वच्छ दिखाई देता। मैंने बहादुर की माँ के पास चिट्ठी लिखी थी कि उसका लड़का मेरे पास मज़े में है और मैं उसकी तनखाह के पैसे उसके पास भेज दिया करूँगा, लेकिन कई महीने के बाद भी उधर से कोई जवाब नहीं आया था। मैंने बहादुर से कह दिया था कि उसका पैसा जमा रहेगा, जब घर जाएगा, तो लेता जाएगा।

उत्तर -

बरसात बीत गई थी .... जाएगा, तो लेता जाएगा।

प्रसंग : प्रस्तुत अवतरण **'बहादुर'** पाठ से लिया गया है जिसके लेखक **"अमरकांत"** है। बहादुर एक ऐसे किशोर की कहानी है, जो अपने घर से भागकर शहर आता है। वहाँ एक घर में नौकरी करने लगता है। इस पंक्तियों में लेखक अपने नौकर बहादुर की स्थिति और उसके पारिवारिक संबंधों की बात करता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

व्याख्या : प्रस्तुत पंक्तियों में लेखक की संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों को दर्शाता है। वह अपने नौकर बहादुर की चिंता करता है, उसकी पारिवारिक स्थिति को समझता है और यह सुनिश्चित करता है कि उसकी मेहनत की कमाई सुरक्षित रहे। लेखक ने बहादुर की माँ के पास चिट्ठी लिखी थी कि उसका लड़का मेरे पास मज़े में है और मैं उसकी तनखाह के पैसे उसके पास भेज दिया करूँगा, लेकिन कई महीने के बाद भी उधर से कोई जवाब नहीं आया था। इससे लेखक निराश नहीं होता, बल्कि बहादुर को आश्वस्त करता है कि उसका पैसा सुरक्षित रहेगा और जब वह घर जाएगा, तब ले जाएगा।

यह दृश्य उस सामाजिक व्यवस्था की ओर भी इशारा करता है जहाँ कामकाजी वर्ग, विशेषकर घरेलू नौकरों के प्रति अक्सर उदासीनता बरती जाती है। लेकिन लेखक का दृष्टिकोण इससे बिल्कुल विपरीत है वह सहानुभूति, विश्वास और ज़िम्मेदारी से भरा हुआ है। साथ ही, "आकाश दर्पण की तरह स्वच्छ दिखाई देता" यह पंक्ति लेखक की मनःस्थिति का भी प्रतीक है- वह निश्चल, शांत और ईमानदार है।

विशेष-

1) भाषा सरल और सहज है, परन्तु उसके माध्यम से गहरी नैतिक और सामाजिक बात कही गई है।
2) इस कहानी की भाषा में व्यंग्यात्मकता है।
3) इस कहानी की भाषा पात्रों के व्यक्तित्व और उनके भावों के अनुकूल है।

32. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिखिए -

(क) बहादुर के स्वाभिमान का संकेत कब मिलता है?

उत्तर - बहादुर के स्वाभिमान का संकेत हमें तब चलता है, जब किशोर द्वारा पिटाई को तो वह सहन कर लेता है, लेकिन 'सूअर का बच्चा' कहने पर बहादुर काम करने से मना कर देता है। कोई उसके पिता को गाली दे, यह उससे सहन नहीं होता।

(ख) 'सुखी राजकुमार' कहानी के अनुसार गौरैया का आरंभिक व्यवहार कैसा था?

उत्तर - 'सुखी राजकुमार' कहानी के अनुसार गौरैया का आरंभिक व्यवहार नकचढ़ी, आत्मकेंद्रित और अभिमानी था। वह जब पहली बार शहर में आती है, तो उसे यह उम्मीद होती है कि पूरा शहर उसका भव्य स्वागत करेगा। उसका पहला संवाद ही उसके घमंड को दर्शाता है - "मैं समझ रही थी कि यह शहर मेरा स्वागत करेगा।" जब राजकुमार बीमार बच्चे के लिए मदद मांगता है, तो वह मना कर देती है और कहती है कि उसे बच्चों से कोई स्नेह नहीं है।

(ग) 'नाखून क्यों बढ़ते हैं' पाठ के अनुसार मनुष्य पशु से भिन्न कैसे है?

उत्तर - 'नाखून क्यों बढ़ते हैं' पाठ के अनुसार, मनुष्य पशु से इसलिए भिन्न है क्योंकि मनुष्य में बुद्धि, संवेदना और सोचने-समझने की शक्ति होती है, जो उसे पशुओं से अलग बनाती है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(घ) अंधेर नगरी के नाटककार ने बाज़ार में सामान बेचनेवालों के संवादों से कौन से दो काम एक साथ किए हैं?

उत्तर - अंधेर नगरी के लेखक भारतेंदु हरिश्चंद्र ने बाजार में सामान बेचने वालों के संवादों से दो बातें एक साथ दिखाईं हैं:

1) अराजकता और गड़बड़ी का दिखाना : इस नगरी में लोग अपने धर्म, जाति और ज्ञान तक को बेचने को तैयार हैं। इससे पता चलता है कि वहां सब कुछ गड़बड़ है और किसी चीज की कोई सही कीमत या महत्व नहीं है।

2) हास्य व व्यंग्य : लेखक ने मजाक और व्यंग्य के ज़रिए यह दिखाया कि उस शहर में सब कुछ पैसों के लिए होता है। उदाहरण के लिए,

- चूरन बेचने वाला पाचनवाला पुलिस और अधिकारियों के भ्रष्टाचार पर व्यंग्य करता है, जो रिश्वत लेकर कानूनों को पचा जाते हैं।
- **"टके के वास्ते ब्राह्मण से धोबी हो जाँय और धोबी को ब्राह्मण कर दें।"**

यानी वहाँ लोग पैसे के लिए अपनी पहचान तक बदल लेते हैं।

33. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिखिए -

(क) नाखून क्यों बढ़ते है? पाठ के लेखक क्या सुखद कल्पना करते हैं?

उत्तर - नाखून क्यों बढ़ते है? पाठ के लेखक सुखद कल्पना करते हैं कि एक दिन मनुष्य अपनी पाशविक वृत्ति (जानवरों जैसी प्रवृत्ति) को त्याग देगा और अपनी सभी बुराइयों से मुक्त हो जाएगा।

(ख) 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी के लेखक क्या संदेश देना चाहते हैं?

उत्तर - 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी में भी स्वाधीनता-आंदोलन में लगे नेताओं और उनके पीछे चलने वाली जनता को मुंशी प्रेमचंद यह संदेश देते हैं कि देश और स्वाधीनता के हित में हमें आराम तथा विलास को छोड़ देना चाहिए और अपनी ज़िम्मेदारियों को निभाना चाहिए।

(ग) समाचार के विभिन्न अंगों के नाम लिखिए। आप किस अंग को सबसे महत्वपूर्ण मानती हैं?

उत्तर - समाचार के विभिन्न अंग इस प्रकार है-

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
पटना में जाम निगल रहा रोजाना 7.80 करोड़ रुपये
सोहेल अपहरण में एक गिरफ्तार
राजधानी के टीटीई ने की छेड़खानी

1) मेन हेडिंग
2) सब हेडिंग
3) बाई लाइन
4) समाचार स्रोत
5) इन्ट्रो
6) ब्यौरा

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

सबसे महत्वपूर्ण अंग : मैं इन्ट्रो (लीड) को सबसे महत्वपूर्ण अंग मानती हूँ, क्योंकि इसी में खबर का सार होता है। पाठक यही पढ़कर यह तय करता है कि उसे पूरी खबर पढ़नी है या नहीं। यह अंग खबर की तात्कालिकता और महत्व को दर्शाता है।

34. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

गौरैया ने राजकुमार की तलवार की मूठ से लाल निकाला और उसे अपनी चोंच में दबाकर उड़ चली। उड़ते वक्त वह गिरजाघर के शिखर के पास से गुजरी, जहाँ श्वेत संगमरमर से देवदूतों की मूर्तियाँ बनी थी। वह उच्च प्रसाद के समीप से गुज़री और उसने नाच की आवाज़ सुनी। छज्जे पर एक सुंदर किशोरी अपने प्रेमी के कंधे पर हाथ रक्खे हुए आई। "आह! तारे कितने सुंदर है, प्रेम की शक्ति भी कितनी अद्भुत है," उसने भावोन्मेष में कहा, मैं समझती हूँ कि अगले नृत्य के लिए मेरे वस्त्र तैयार हो जाएँगे। मैंने उनपर फूल कढ़वाने की आज्ञा दी है। मगर ये लोग देर कितनी लगाते हैं।"

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

उत्तर - उपर्युक्त गद्यांश "सुखी राजकुमार" नामक कहानी से लिया गया है, जिसके लेखक ऑस्कर वाइल्ड हैं।

(ख) गौरैया को उड़ते वक्त क्या-क्या दिखाई दिया?

उत्तर - गौरैया जब उड़ रही थी, तो उसे गिरजाघर के शिखर के पास श्वेत संगमरमर से बनी देवदूतों की मूर्तियाँ दिखाई दीं। वह उच्च प्रसाद (राजमहल) के समीप से गुज़री, जहाँ से नृत्य की आवाज़ सुनाई दी।

(ग) किशोरी कौन थी? उसका आखिरी कथन क्या अभिव्यक्त करता है?

उत्तर - किशोरी एक सुंदर युवती थी जो अपने प्रेमी के साथ छज्जे पर आई थी। उसका आखिरी कथन "मैं समझती हूँ कि अगले नृत्य के लिए मेरे वस्त्र तैयार हो जाएँगे। मैंने उन पर फूल कढ़वाने की आज्ञा दी है। मगर ये लोग देर कितनी लगाते हैं।

अथवा

प्यादा-1 - इसमें दो बातें हैं - एक तो नगर-भर में राजा के न्याय के डर से कोई मुटाता ही नहीं, दूसरे और किसी को पकड़े, तो वह न जाने क्या बात बनाए और फिर इस राज में साधू-महात्मा इन्हीं लोगों की तो दुर्दशा है, इसमें तुम्ही को फाँसी देंगे।

दुहाई, परमेश्वर की, अरे मैं नाहक मारा जाता हूँ। अरे यहाँ बड़ा ही अंधेर है, अरे गुरु जी महाराज का कहाँ मैंने न माना, उसका फल मुझको भोगना पड़ा।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

उत्तर - पाठ का नाम : अंधेर नगरी

लेखक का नाम : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ख) नाटक के इस अंश में किस व्यवस्था पर व्यंग्य किया गया है?

उत्तर - इस अंश में राज्य की न्याय व्यवस्था पर करारा व्यंग्य किया गया है।

- राजा के न्याय का कोई तर्क या आधार नहीं है।
- असली अपराधियों को छोड़कर निर्दोषों को सज़ा दी जाती है।
- साधु-संत जैसे सज्जन और धार्मिक लोग भी इस अंधे न्याय के शिकार हो जाते हैं।
- न्याय का भय ऐसा है कि लोग सच बोलने या अपनी बात रखने से डरते हैं।

(ग) इस गद्यांश की भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए।

उत्तर - इस गद्यांश की भाषा-शैली निम्न है-

- आम बोलचाल की खड़ी बोली का प्रयोग किया गया है।
- शब्द जैसे "दुहाई", "नाहक", "अरे", "गुरुजी महाराज", जन-सामान्य की भाषा को दर्शाते हैं।
- समाज और शासन की विडंबनाओं को व्यंग्य के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है।

35. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में एक निबंध लिखिए -

(क) बाल मजदूरी - समस्या और समाधान

(ख) भारत की वैज्ञानिक प्रगति

(ग) लड़का - लड़की एक समान

(घ) परिश्रम सफलता का मूल है।

उत्तर -

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(घ) परिश्रम सफलता का मूल है।

भूमिका

मनुष्य के जीवन में परिश्रम का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। यह कहावत बिल्कुल सत्य है कि "परिश्रम ही सफलता की कुंजी है।" कोई भी व्यक्ति जन्म से महान नहीं होता, वह अपने सतत प्रयास, कठिन परिश्रम और लगन के बल पर ही महान बनता है। सपने देखना आसान होता है, लेकिन उन्हें पूरा करने के लिए लगातार मेहनत करना ही असली सफलता की राह है।

विषयवस्तु

प्रकृति भी हमें परिश्रम का पाठ पढ़ाती है। सूरज रोज़ बिना थके उगता है, नदियाँ लगातार बहती रहती हैं और चींटी भी धीरे-धीरे चलते हुए अपने लक्ष्य तक पहुँच जाती है। यही परिश्रम का जादू है।

परिश्रम वह साधन है जो असंभव को भी संभव बना देता है। दुनिया के सभी महान व्यक्ति जैसे महात्मा गांधी, अब्दुल कलाम, सचिन तेंदुलकर या स्वामी विवेकानंद - ये सभी कठिन परिश्रम के उदाहरण हैं। इन्होंने अपने जीवन में अनेक कठिनाइयों का सामना किया, लेकिन कभी हार नहीं मानी।

विद्यार्थियों के जीवन में परिश्रम का विशेष महत्व होता है। जो छात्र ईमानदारी से पढ़ाई करते हैं, समय का सही उपयोग करते हैं, वही परीक्षा में अच्छे अंक लाते हैं और जीवन में सफल होते हैं। आलसी व्यक्ति चाहे कितना भी बुद्धिमान क्यों न हो, वह बिना मेहनत के आगे नहीं बढ़ सकता।
परिश्रम केवल शारीरिक नहीं, मानसिक भी होता है। कठिन समय में धैर्य और सकारात्मक सोच भी मेहनत का हिस्सा है। निरंतर प्रयास ही व्यक्ति को मंज़िल तक पहुँचाता है।

उपसंहार

अतः यह स्पष्ट है कि परिश्रम ही सफलता का मूल मंत्र है। अगर हम मेहनत करते रहेंगे और कभी हार नहीं मानेंगे, तो एक दिन सफलता अवश्य मिलेगी। इसलिए हमें हमेशा ईमानदारी से मेहनत करनी चाहिए और अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहना चाहिए। यही जीवन की सच्ची सफलता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

36. निम्नलिखित गद्यांश का सार एक-तिहाई शब्दों में लिखिए-

जीवन में अनेक दुःख मनुष्य स्वयं मोल लेता है। इन दुखो का कारण उसके चरित्र में छिपी दुर्बलता होती है। अपव्यय की आदत भी एक ऐसी ही दुर्बलता है। जीवन में सुखी बनने के लिए अपनी आय एवं व्यय के बीच संतुलन रखना अत्यंत आवश्यक है। अपनी इच्छाओं पर अंकुश रखे बिना मनुष्य जीवन में सफल नहीं हो सकता। आय के अनुसार व्यय की आदत डालना जीवन में सयंम, व्यवस्था एवं स्वावलंबन जैसे गुण लाती है। आय के अनुरूप खर्च करना किसी प्रकार से भी कंजूसी नहीं कहलाता। यदि संसार के अधिकांश व्यक्ति अपव्ययी होते तो इस संसार का निर्माण भी संभव न होता। सरकार का भी कर्त्तव्य है कि वह व्यय करने में अपनी आय की मर्यादा का उल्लंघन न करे अन्यथा जनता को संतुलित रखने के लिए स्वयं को असंतुलित बनाना पड़ेगा। मितव्ययी का भविष्य हमेशा सुरक्षित रहता है। उसको किसी के सामने हाथ नहीं फैलाना पड़ता। उसका परिवार हमेशा प्रसन्नचित्त रहता है। अतः अल्पव्यय के गुण को अपनाना चाहिए।

उत्तर - मनुष्य अपने जीवन के कई दुःख स्वयं उत्पन्न करता है, जिनमें अपव्यय की आदत एक प्रमुख कारण है। सुखी जीवन के लिए आय और व्यय में संतुलन आवश्यक है। इच्छाओं पर नियंत्रण और आय के अनुसार खर्च करने से जीवन में संयम, व्यवस्था और आत्मनिर्भरता आती है। यह कंजूसी नहीं, बल्कि समझदारी है। सरकार को भी यही संतुलन बनाए रखना चाहिए। मितव्ययी व्यक्ति का भविष्य सुरक्षित होता है और उसका परिवार प्रसन्न रहता है। अतः सभी को अल्पव्यय का गुण अपनाना चाहिए।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

37. आपको प्रधानाचार्या द्वारा उत्तम छात्र का पुरस्कार प्राप्त हुआ है। अपनी प्रसन्नता और अनुभव को अपने मित्र को पत्र लिखकर बताइए।

उत्तर -

34/160, पालमनगर,

न्यू दिल्ली

दिनांक : 02/06/2025

प्रिय राकेश,

सप्रेम नमस्कार। आशा है कि तुम कुशलपूर्वक होगे। आज मैं तुम्हें एक बहुत ही खुशखबरी बताना चाहता हूँ, जिसे सुनकर तुम्हें भी बहुत प्रसन्नता मिलेगी।

हाल ही में हमारे विद्यालय में वार्षिकोत्सव का आयोजन हुआ। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कार दिए गए। मुझे यह बताते हुए अत्यंत गर्व और प्रसन्नता हो रही है कि मुझे इस वर्ष "उत्तम छात्र पुरस्कार" से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार मुझे मेरी पढ़ाई, अनुशासन, समय पालन और विद्यालय की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के आधार पर दिया गया।

जब मंच से मेरा नाम पुकारा गया और हमारी प्रधानाचार्या मैडम ने मुझे ट्रॉफी और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया, तो मेरा हृदय गर्व और आनंद से भर गया। उस क्षण को शब्दों में व्यक्त कर पाना मेरे लिए कठिन है। मेरे माता-पिता, शिक्षक और मित्र भी बहुत खुश हुए।

यह पुरस्कार मेरे लिए केवल एक सम्मान नहीं है, बल्कि आगे और अधिक मेहनत करने की प्रेरणा भी है। मैं जानता हूँ कि तुम्हारा भी इसमें योगदान है, क्योंकि तुमने हमेशा मुझे प्रोत्साहित किया और पढ़ाई में मदद की।

आशा है कि अगली बार हम दोनों किसी पुरस्कार समारोह में साथ खड़े हों। जल्दी से अपने समाचार भी लिखना।

तुम्हारा मित्र

नीतीश

अथवा

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

हिन्दी में लिखे सार्वजनिक सूचना पट्टो पर अशुद्ध हिन्दी देखने को मिलती है। इस ओर ध्यान आकृष्ट करने के लिए उदहरण देते हुए संपादक के नाम एक पत्र लिखिए।

उत्तर -

30/5 संस्कार अपार्टमेंट

सेक्टर-14 द्वारका, दिल्ली

5 जनवरी 2025

सेवा में,

संपादक महोदय,

नवभारत टाइम्स

विषय : सार्वजनिक सूचना पट्टों पर लिखी जा रही अशुद्ध हिन्दी की ओर ध्यान आकर्षित करने हेतु

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैं आपके प्रतिष्ठित समाचार पत्र के माध्यम से जनता और प्रशासन का ध्यान सार्वजनिक स्थानों पर लगाए गए सूचना पट्टों में लिखी जा रही अशुद्ध हिन्दी की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ।

आजकल रेल्वे स्टेशन, बस अड्डों, अस्पतालों, स्कूलों और अन्य सरकारी कार्यालयों में लगाए गए सूचना बोर्डों पर जो हिन्दी लिखी होती है, वह न केवल व्याकरण की दृष्टि से गलत होती है, बल्कि वर्तनी की अशुद्धियाँ और अनुवाद की भूलें भी उसमें देखने को मिलती हैं। इससे न केवल हिन्दी भाषा की गरिमा को ठेस पहुँचती है, बल्कि आमजन को भ्रम और असुविधा भी होती है। यह विडंबना है कि एक ओर हम हिन्दी को राजभाषा के रूप में गर्व से स्वीकार करते हैं, और दूसरी ओर सार्वजनिक स्थलों पर उसकी शुद्धता की अनदेखी की जाती है।

मेरा विनम्र निवेदन है कि आपके माध्यम से संबंधित विभागों और अधिकारियों को सजग किया जाए ताकि वे सूचना पट्टों की भाषा को शुद्ध, स्पष्ट और व्याकरण-सम्मत बनवाने की दिशा में आवश्यक कदम उठाएँ। यह हिन्दी के मान और सम्मान की रक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है।

धन्यवाद

उदय कुमार

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

खंड - अ

SET - C

1. निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए:

(क) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता में नदियों के ________ पानी, उनमें बढ़ते ________ को लेकर दुख प्रकट किया है।

(ख) आज़ादी कविता में उस्ताद ________ भाषा का और लैंपपोस्ट ________ भाषा का शब्द है।

उत्तर -

(क) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता में नदियों के **गंदे** पानी, उनमें बढ़ते **प्रदूषण** को लेकर दुख प्रकट किया है।

(ख) आज़ादी कविता में उस्ताद **फारसी** भाषा का और लैंपपोस्ट **अंग्रेजी** भाषा का शब्द है।

2. आज़ादी तनहाई के लिए ________ है।

उत्तर - आज़ादी तनहाई के लिए **महफ़िल** है।

3. बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता में निम्नलिखित में से कौन-सी विशेषता नहीं मिलती?

(A) मानवीकरण **(B) प्रश्न शैली**

(C) दृश्यात्मकता **(D) ओजस्विता**

उत्तर - (D) ओजस्विता

4. निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए:

(क) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में 'हाथ पीले करना' मुहावरा का अर्थ ________ है।

(ख) आह्वान कविता के अनुसार सब मिलकर देश को एकता के सूत्र में बाँधों और ________ उद्देश्य को पूरा करने के लिए काम करें।

(ग) कवि वृंद के अनुसार जड़मति का अर्थ है, जिसकी ________ का विकास न हुआ हो या जो मूर्ख हो।

उत्तर -

(क) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में 'हाथ पीले करना' मुहावरा का अर्थ **शादी कर लेना** है।

(ख) आह्वान कविता के अनुसार सब मिलकर देश को एकता के सूत्र में बाँधों और **सुख -शांतिमय** उद्देश्य को पूरा करने के लिए काम करें।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ग) कवि वृंद के अनुसार जड़मति का अर्थ है, जिसकी **बुद्धि** का विकास न हुआ हो या जो मूर्ख हो।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए:

(क) धन आवश्यकता के अनुसार ही अच्छा होता है। कबीर के अनुसार उससे अधिक होने पर ________ पालने की अपेक्षा दान देना ________ है।

(ख) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में कवि ने पोखर के पानी में चाँद के ________ में गोल ________ की कल्पना की है।

उत्तर -

(क) धन आवश्यकता के अनुसार ही अच्छा होता है। कबीर के अनुसार उससे अधिक होने पर **व्यसन** पालने की अपेक्षा दान देना **बेहतर** है।

(ख) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में कवि ने पोखर के पानी में चाँद के **प्रतिबिंब** में गोल **खंभे** की कल्पना की है।

6. निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

सुनता हूँ, मैंने भी देखा,
काले बादल में रहती चाँदी की रेखा।
काले बादल जाति द्वेष के,
काले बादल विश्व क्लेश के,
काले बादल उठते पथ पर,
नए स्वतन्त्रता के प्रवेश के !
सुनता आया हूँ, है देखा,
काले बादल में हँसती चाँदी की रेखा !
आज दिशा है घोर अंधेरी,
नभ में गरज रही रण-भेरी,
चमक रही चपला क्षण-क्षण पर,
झनक रही झिल्ली झन-झन कर;
नाच-नाच आँगन में गाते केका-केकी,
काले बादल में लहरी चाँदी की रेखा।
काले बादल, काले बादल,
मन भय से हो उठता चंचल !
कौन हृदय में कहता पल-पल,
मृत्यु आ रही साजे दलबल !
आग लग रही, घात चल रहे,
विधि का लेखा !
काले बादल में छिपी चाँदी की रेखा !
मुझे मृत्यु की भीति नहीं है,
पर अनीति से प्रीति नहीं है,
यह मनुजोचित रीति नहीं है,
जन में प्रीति-प्रतीति नहीं है।
देश जातियों का कब होगा,
नव मानवता में रे एका,
काले बादल में कल की,
सोने की रेखा !

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(क) कवि के अनुसार काले बादल किसके प्रतीक हैं?

(A) बारिश के **(B) विश्व क्लेश के**

(C) अंधेरे के **(D) मृत्यु के**

उत्तर - (B) विश्व क्लेश के

(ख) कवि को किसका भय नहीं है?

(A) शत्रु का **(B) शासन का**

(C) संघर्ष का **(D) मृत्यु का**

उत्तर - (D) मृत्यु का

(ग) 'काले बादल में रहती चाँदी की रेखा' पंक्ति से कवि क्या कहना चाहते हैं?

(A) बादल में सफेद रेखा है।

(B) विपत्तियों के बीच आशा की किरण दिखाई देती है।

(C) काले बादल में चाँदी लगी है।

(D) काले बादलों में बिजली चमक रही है।

उत्तर - (B) विपत्तियों के बीच आशा की किरण दिखाई देती है।

(घ) कवि को किस से प्रीति नहीं है?

(A) अनीति से **(B) वर्षा से**

(C) बादल से **(D) चाँदी से**

उत्तर - (A) अनीति से

7. अंधेर नगरी नाटक में 'टके सेर भाजी टके सेर खाज़ा' में निहित व्यंग्यार्थ है ________

(A) सभी चीज़ें बहुत सस्ती हैं। **(B) एक टके की एक सेर भाजी खाओ।**

(C) गुणों और मूल्यों की कदर नहीं है। **(D) सभी नागरिकों को समान महत्व मिले।**

उत्तर - (C) गुणों और मूल्यों की कदर नहीं है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

8. सार लेखक को मूल भाव और उसको पुष्ट करने वाले संबंधित बिंदुओं की पहचान कर उनको क्या देना होता है?

(A) क्रम **(B) उदाहरण**

(C) शीर्षक **(D) दोहराव**

उत्तर - (A) क्रम

निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

9. अखबार में कार्टून छापने का उद्देश्य ________ और ________ टिप्पणी करना है।

उत्तर - अखबार में कार्टून छापने का उद्देश्य **मनोरंजन** और **तीखी** टिप्पणी करना है।

10. अनौपचारिक पत्र अपनों को प्रेम भरे भावों से स्वाभाविक ________ की________में लिखे जाते हैं।

उत्तर - अनौपचारिक पत्र अपनों को प्रेम भरे भावों से स्वाभाविक **बातचीत** की **शैली** में लिखे जाते हैं।

11. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

(क) मानव-शरीर का अध्ययन करने वाले प्राणि-विज्ञानियों का निश्चित मत है कि मानव-चित्त की भाँति मानव शरीर में ही बहुत-सी अभ्यासजन्य ________ रह गई हैं।

(ख) सुखी राजकुमार कहानी में देवदूत ________ का दिल और ________ की लाश ले आया।

उत्तर -

(क) मानव-शरीर का अध्ययन करने वाले प्राणि-विज्ञानियों का निश्चित मत है कि मानव-चित्त की भाँति मानव शरीर में ही बहुत-सी अभ्यासजन्य **सहज वृत्तियाँ** रह गई हैं।

(ख) सुखी राजकुमार कहानी में देवदूत **जस्ते** का दिल और **गौरैया** की लाश ले आया।

12. निम्नलिखित संवाद किस पात्र के हैं? पहचान कीजिए और रिक्त स्थान भरिए -

(क) "किसी के दिन बराबर नहीं जाते। कितनी दर्दनाक हालत है।" ________

उत्तर - मिरज़ा

(ख) "आधी तनखाह तो नौकर पर ही खर्च हो रही है, पर रुपया-पैसा कमाया किस लिए जाता है?" ________

उत्तर - निर्मला

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

13. नीचे दिए गए कथनों को उत्तर-पुस्तिका में लिखिए और बताइए कि वे सही हैं या गलत।

(क) सुखी राजकुमार कहानी में गौरैया के सब साथी कल दूसरे प्रपात तक उड़ जाएँगे।

(ख) पशुता को हराने के लिए स्व का बंधन आवश्यक नहीं है।

उत्तर -

(क) सुखी राजकुमार कहानी में गौरैया के सब साथी कल दूसरे प्रपात तक उड़ जाएँगे। **(सही)**

(ख) पशुता को हराने के लिए स्व का बंधन आवश्यक नहीं है। **(गलत)**

14. निबंध में ________ होनी चाहिए, वाक्य छोटे तथा ________ होने चाहिए।

(A) क्रमबद्धता, प्रभावशाली

(B) क्रम, गंभीर

(C) कहानी, लम्बे

(D) कल्पना, प्रभावशाली

उत्तर - (A) क्रमबद्धता, प्रभावशाली

15. नीचे दिए गए पाठों और पात्रों के सही युग्म चुनिए और उसे अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए-

पाठ का नाम	पात्र का नाम
(क) अंधेर नगरी	वाचक
(ख) बहादुर	नारायणदास

उत्तर -

पाठ का नाम	पात्र का नाम
(क) अंधेर नगरी	नारायणदास
(ख) बहादुर	वाचक

16. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

(क) समाचारों का चयन उनके महत्व और ________ के अनुसार किया जाता है।

(ख) सुखी राजकुमार कहानी में ________ स्थितियों का वर्णन किया गया है।

उत्तर -

(क) समाचारों का चयन उनके महत्व और **उपयोगिता** के अनुसार किया जाता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ख) सुखी राजकुमार कहानी में __दयनीय__ स्थितियों का वर्णन किया गया है।

निम्नलिखित प्रश्नों में दिए रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

17. "बहादूर, आकर नाश्ता क्यों नहीं कर लेते?" बहादुर कहानी में यह कथन किसका है?

(A) किशोर **(B) वाचक**

(C) निर्मला **(D) रिश्तेदार**

उत्तर - (C) निर्मला

18. 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी में मिरज़ा के घर के नौकर-चाकर शतरंज के खेल को ________ खेल बोलते थे।

(A) मनहूस **(B) अच्छा**

(C) समझदार **(D) मज़ेदार**

उत्तर - (A) मनहूस

19. गौरैया सुखी राजकुमार के सान्निध्य में क्या सीखती है?

(A) तरस खाना **(B) निस्वार्थ प्रेम**

(C) दया करना **(D) आत्मविश्लेषण**

उत्तर - (B) निस्वार्थ प्रेम

20. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

समस्त ग्रंथों एवं ज्ञानी, अनुभवी जनों का कहना है कि जीवन एक कर्मक्षेत्र है। हमें कर्म करने के लिए जीवन मिला है। कठिनाइयाँ, दुख कष्ट आदि हमारे शत्रु हैं जिनका हमें सामना करना है और उनके विरुद्ध संघर्ष करके हमें विजयी बनना है। अंग्रेजी के यशस्वी नाटककार शेक्सपीयर ने कहा है, "कायर मनुष्य अपनी मृत्यु से पूर्व अनेक बार मृत्यु का अनुभव कर चुके होते है किंतु वीर एक से अधिक बार कभी नहीं मरते हैं।" विश्व के प्रायः समस्त महापुरुषों के जीवन वृत्त हमें यह शिक्षा देते हैं कि महानता का रहस्य संघर्षशील, और अपराजेय व्यक्तित्व है। महापुरुषों को अपने जीवन में अनेक संकटों का सामना करना पड़ा परंतु वे घबराए नहीं संघर्ष करते रहे और अंत में सफल हुए। संघर्ष के मार्ग पर अकेला ही चलना पड़ता है, कोई बाहरी शक्ति आप की सहायता नहीं करती है। परिश्रम, दृढ़ इच्छाशक्ति और लगन आदि मानवीय गुण व्यक्ति को संघर्ष करने और जीवन में सफलता प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करते हैं। समस्याएँ वस्तुतः जीवन का पर्याय है। यदि समस्याएँ न हों,तो आदमी प्रायः अपने को निष्क्रिय समझने लगेगा। समस्या को सुलझाते समय, उसकासमाधान करते समय व्यक्ति का श्रेष्ठतम तत्व उभर कर आता है। धर्म, दर्शन, ज्ञान, मनोविज्ञान इन्हीं प्रयत्नों की देन है। पुराणों में अनेक कथाएँ

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

यह शिक्षा देती हैं कि मनुष्य जीवन की हर स्थिति में जीना सीखें व समस्या उत्पन्न होने पर उसके समाधान के उपाय सोचें। जो व्यक्ति जितना उत्तरदायित्वपूर्ण कार् करेगा उतना ही उसके समक्ष समस्याएँ आएँगी और उनके परिप्रेक्ष्य में ही उसकी महानता का निर्धारण किया जाएगा।

(क) जीवन क्या है?

(A) धर्मक्षेत्र **(B) रणक्षेत्र**

(C) कर्मक्षेत्र **(D) क्रीड़ाक्षेत्र**

उत्तर - (C) कर्मक्षेत्र

(ख) संघर्ष के मार्ग पर कैसे चलना पड़ता है?

(A) अकेले ही **(B) झुकक**

(C) समूह में **(D) पंक्तियों में**

उत्तर - (A) अकेले ही

(ग) यदि समस्याएँ न हो, तो आदमी प्रायः अपने को कैसा समझने लगेगा?

(A) सक्रिय **(B) निष्क्रिय**

(C) दानवीर **(D) सहनशील**

उत्तर - (B) निष्क्रिय

(घ) महापुरुषों की महानता का रहस्य क्या है?

(A) उनकी दानशीलता **(B) उनकी सहनशीलता**

(C) उनकी वीरता **(D) उनकी शक्ति**

उत्तर - (C) उनकी वीरता

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए -

21. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

(i) तथैव का संधि-विच्छेद ________ है।

(ii) रेखांकित का संधि-विच्छेद ________ है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर - (i) तथैव = तथा + एव

(ii) रेखांकित = रेखा + अंकित

22. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए-

(i) परिश्रम शब्द ________ उपसर्ग है।

(ii) मालिन शब्द में ________ प्रत्यय है।

उत्तर - (i) परिश्रम शब्द में उपसर्ग = परि

(ii) मालिन शब्द में प्रत्यय = इन

23. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

(i) कमल, सुर, निडर, गति में से तद्भव शब्द है ________ ।

(ii) नासिका, गेहूँ, भिखारी, मोती में से तत्सम शब्द है ________ ।

उत्तर - (i) कमल, सुर, निडर, गति में से तद्भव शब्द है = निडर

(ii) नासिका, गेहूँ, भिखारी, मोती में से तत्सम शब्द है = नासिका

24. 'दाँत काटी रोटी' मुहावरे का अर्थ है -

(A) जूठी रोटी

(B) गहरी मित्रता

(C) गहरी शत्रुता

(D) नरम रोटी

उत्तर - (B) गहरी मित्रता

25. युद्धभूमि ________ समास का उदाहरण है।

(A) तत्पुरुष

(B) अव्ययीभाव

(C) द्वंद्व

(D) द्विगु

उत्तर - (A) तत्पुरुष

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

26. निम्नलिखित वाक्यों में से शुद्ध वाक्य है-

(A) उस दृश्य को देखकर प्राण तो निकल गया।

(B) उस दृश्य को देखकर मेरा प्राण तो निकल गया।

(C) उस दृश्य को देखकर मेरे तो प्राण निकल गए।

(D) उस दृश्य को देखकर प्राण तो मेरे तो निकल गए।

उत्तर - (C) उस दृश्य को देखकर मेरे तो प्राण निकल गए।

27. प्रधानाचार्या प्रार्थना सभा में आईं और उन्होंने सदाचार पर भाषण दिया।

यह ________ वाक्य है।

(A) संयुक्त

(B) मिश्र

(C) सरल

(D) विधानसूचक

उत्तर - (A) संयुक्त

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

खंड 'ब'

28. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

क्या, होती है तुम्हारे भीतर धमस,
कटकर गिरता है जब कोई पेड़, धरती पर?
सुना है कभी,
रात के सन्नाटे में अंधेरे से मुँह ढाँप,
किस कदर रोती हैं नदियाँ?

उत्तर -

क्या, होती है..............रोती हैं नदियाँ?

प्रसंग : प्रस्तुत पंक्तियाँ 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता से ली गई हैं, जिसकी लेखिका निर्मला पुतुल हैं। इन पंक्तियों के माध्यम से पेड़ों और नदियों के दुख को अभिव्यक्त किया है। यहाँ वे सभ्य कहे जाने वाले मनुष्य समाज से सवाल कर रही हैं, जो प्रकृति का विनाश करके भी संवेदनहीन बना रहता है।

व्याख्या : यहाँ लेखिका पूछती है कि क्या किसी मनुष्य के भीतर दर्द की लहर नहीं उठती जब धरती पर कोई पेड़ कटकर गिरता है? पेड़ केवल पेड़ नहीं, बल्कि जीवनदाता हैं। उनका गिरना मानो धरती का एक हिस्सा टूटकर गिरना है।

इसी प्रकार कवयित्री नदियों के दुख को सामने रखती है। वे कहती हैं कि रात के सन्नाटे में नदियाँ अपना मुँह अंधेरे में छिपाकर रोती हैं, क्योंकि मनुष्य उन्हें प्रदूषित कर रहा है, उनमें कचरा, गंदा पानी और अपशिष्ट डालकर उन्हें नाले में बदल रहा है। नदियाँ अपने जल से सबको जीवन देती हैं, लेकिन बदले में मनुष्य ने उन्हें केवल पीड़ा दी है। कवयित्री चाहती हैं कि हम पेड़ों और नदियों की पीड़ा को अपनी पीड़ा समझें और उनके संरक्षण की दिशा में संवेदनशील बनें।

विशेष :

- बातचीत व प्रश्न शैली का प्रयोग किया गया है।
- गुमसुम बूढ़ी पृथ्वी में मानवीकरण का प्रयोग किया गया है।
- भावों के अनुकूल भाषा-प्रयोग है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

अथवा

पावस देखि रहीम मन, कोइल साधै मौन।
अब दादुर बक्ता भए, हमको पूछत कौन॥

उत्तर -

पावस देखि रहीम .... पूछत कौन॥

- **प्रसंग :** प्रस्तुत प्रसंग प्रसिद्ध कवि **"रहीम"** के दोहे से लिया गया हैं। यहाँ कवि ने जीवन की गहन सच्चाइयों और मानवीय स्वभाव को बड़ी सहजता से व्यक्त किया हैं। उन्होंने प्रकृति का सहारा लेकर ज्ञानी और अज्ञानी के व्यवहार का चित्रण किया है।

- **व्याख्या :** कवि रहीम कहते हैं कि जब वर्षा ऋतु आती है तो कोयल मौन हो जाती है। वह सोचती है कि अब तो मेंढक (वक्ता) बोलने लगे हैं, शोर मचाने लगे हैं, तो हमारी कद्र कौन करेगा। इस उपमा के माध्यम से कवि यह समझाना चाहते हैं कि जब समाज में अज्ञानी और मूर्ख लोग बढ़-चढ़कर बातें करने लगते हैं और उनके शोर में सबकी आवाज़ दब जाती है, तब विद्वान लोग मौन धारण कर लेते हैं। उनका मौन स्थायी नहीं होता, बल्कि केवल उतने समय तक होता है, जब तक अनुचित शोर बना रहता है। जैसे ही अनुकूल समय आता है, विद्वान फिर से अपने ज्ञान और विचारों के माध्यम से समाज को मार्गदर्शन देता है।

- **विशेष :**
  - सरल व सहज भाषा का प्रयोग किया गया है।
  - अन्योक्ति अलंकार का प्रयोग किया गया है।
  - यहाँ कोयल ज्ञानवान और विवेकी व्यक्ति का प्रतीक है और मेंढक अज्ञानी और शोर मचाने वाले व्यक्तियों के प्रतीक हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

29. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिखिए-

(क) आज़ादी कविता के अनुसार 'बलिदानी को जीवन' का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - 'आज़ादी' कविता के अनुसार बलिदानी का जीवन वही है, जो देश, समाज और मानवता के हित में अपने सुख-दुःख और प्राण तक अर्पित कर देता है।

(ख) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में गाँव के तालाब का सुंदर चित्रण है। उसका वर्णन कीजिए।

उत्तर - 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में कवि को नीले तालाब में उठती लहरियाँ दिखती हैं, जिनमें भूरे रंग की घास डोल रही है। साँझ के समय तालाब की सतह पर चमकता चाँद का प्रतिबिंब सौंदर्य बढ़ाता है।

(ग) आह्वान कविता के माध्यम से बताइए कि 'देश के प्रति आपके क्या कर्तव्य हैं?

उत्तर - 'आह्वान' कविता के अनुसार देश के प्रति हमारा कर्तव्य है- परिश्रम करना, संघर्षशील रहना, एकता बनाए रखना और राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानकर देश के विकास में योगदान देना।

(घ) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता के अनुसार 'पहाड़ मौन समाधि लिए बैठा है'। इसका आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता में "पहाड़ मौन समाधि लिए बैठा है" का अर्थ है कि पहाड़ शांत, स्थिर और तपस्वी-सा है, जिसे मनुष्य अपने स्वार्थ से नष्ट कर रहा है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

30. निम्नलिखित काव्यांश के कवि और कविता का नामोल्लेख करते हुए काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए-

देखता हूँ मैं : स्वयंवर हो रहा है
प्रकृति का अनुराग अंचल हिल रहा है
इस विजन में,
दूर व्यापारिक नगर से,
प्रेम की प्रिय भूमि उपजाऊ अधिक है।

उत्तर -

देखता हूँ मैं.............. उपजाऊ अधिक है।

- **भाव सौंदर्य :** प्रस्तुत पंक्तियाँ **केदारनाथ** अग्रवाल द्वारा रचित कविता चंद्रगहना से लौटती बेर से ली गई है, जिसमें प्रकृति की सुंदरता और ग्रामीण जीवन की सरलता का बड़ा ही सजीव चित्रण किया है। इस कविता में कवि ने खेत में स्वयंवर के रूप में प्रकृति का वर्णन किया है, जहाँ चने, अलसी और सरसों के पौधे दूल्हा-दुल्हन की तरह सजे हैं। चारों ओर वातावरण में आकर्षण और अनुराग भरा हुआ है। यहाँ नगर की कृत्रिमता से दूर, ग्रामीण क्षेत्र की भूमि अधिक उपजाऊ और प्रेममयी दिखाई देती है।

- **शिल्प-सौंदर्य :**

1. मानवीकरण अलंकार का प्रयोग किया गया है।
2. कवि द्वारा प्रकृति के प्रति गहरा प्रेम को व्यक्त किया गया है।
3. सरल व सहज भाषा का प्रयोग किया गया है।
4. विवाह का दृश्य दिखाने के लिए उससे जुड़े शब्दों का प्रयोग किया गया है, जैसे- हाथ पीले करना, ब्याह मंडप, स्वयंवर आदि।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

आओ, मिलें सब देश-बांधव हार बन कर देश के,
साधक बने सब प्रेम से सुख-शांतिमय उद्देश्य के,
क्या सांप्रदायिक भेद से ऐक्य मिट सकता अहो !
बनती नहीं क्या एक माला विविधा सुमनों को कहो?

उत्तर -

आओ, मिलें सब .... सुमनों को कहो?

भाव-सौन्दर्य : प्रस्तुत पंक्तियाँ राष्ट्रकवि **मैथिलीशरण गुप्त** की ***आह्वान*** कविता से ली गई हैं। कवि इन पंक्तियों में देशवासियों को एकता और भाईचारे का संदेश देते हैं। वे कहते हैं कि भारत अनेक धर्मों, जातियों और संप्रदायों का देश है। अगर हम **आपसी भेदभाव भूलकर** मिलकर काम करें, तो हमारा देश **सुख, शांति और प्रगति** की ओर बढ़ सकता है।

कवि प्रश्न करते हैं कि **क्या जाति या संप्रदाय का भेद हमें एक होने से रोक सकता है?** उनका उत्तर है नहीं। जिस प्रकार अलग-अलग फूलों को मिलाकर सुंदर माला बनाई जाती है, वैसे ही विभिन्न समुदायों और विचारों के लोग भी प्रेम और सहयोग से एक होकर रह सकते हैं।

कवि का मुख्य संदेश है कि **एकता में ही शक्ति है**। हमें **भाईचारे और प्रेम** के साथ मिलकर देश की उन्नति के लिए काम करना चाहिए। यह विचार हमें सिखाता है कि **सभी लोग मिलकर ही देश को आगे बढ़ा सकते हैं**।

शिल्प-सौन्दर्य :

1. **कवि :** मैथिलीशरण गुप्त
2. **कविता का नाम :** आह्वान
3. सहज, स्पष्ट और आम बोलचाल की भाषा का प्रयोग।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

31. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिखिए -

(क) मूल्यवान वस्तुएँ सस्ती होने पर भी महंत ने अंधेर नगरी में रहने के लिए क्यों मना किया?

उत्तर - महंत ने अंधेर नगरी में इसलिए रहने से मना किया क्योंकि वहाँ की शासन, न्याय और व्यापार व्यवस्था अव्यवस्थित थी। राजा-प्रजा मूर्ख थे और हर वस्तु का मूल्य समान था।

(ख) 'सुखी राजकुमार' कहानी में ईश्वर और उसके देवदूत की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

उत्तर - 'सुखी राजकुमार' कहानी में, ईश्वर और देवदूत करुणा, त्याग और न्याय के प्रतीक हैं। राजकुमार और गौरैया की निस्वार्थ सेवा से प्रसन्न होकर ईश्वर उन्हें स्वर्ग में स्थान देता है।

(ग) 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए।

उत्तर - 'शतरंज के खिलाड़ी' शीर्षक इसलिए सार्थक है क्योंकि यह पात्रों के शतरंज-प्रेम के साथ-साथ अवध के राजनीतिक पतन और शासक वर्ग की उदासीनता का प्रतीक बनकर सामने आता है।

32. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिखिए -

(क) बहादुर वाचक के परिवार के लिए घमंड और दिखावे का माध्यम है। स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - 'बहादुर' कहानी में, लेखक का परिवार बहादुर को अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा और घमंड को प्रदर्शित करने के लिए एक माध्यम मानता है। वे बहादुर को अपनी भौतिक सुख-सुविधाओं के प्रदर्शन और सामाजिक हैसियत बढ़ाने के उपकरण के रूप में देखते हैं, जिससे उनका घमंड और दिखावा स्पष्ट होता है।

(ख) बच्चों की पात्र-योजना सुखी राजकुमार कहानी में क्या-क्या उजागर करने के लिए की गई थी?

उत्तर - 'सुखी राजकुमार' कहानी में पात्रों के माध्यम से समाज में व्याप्त गरीबी, दुख और असमानता को उजागर किया गया है, साथ ही निस्वार्थ प्रेम, करुणा और त्याग जैसे मानवीय मूल्यों का भी चित्रण किया गया है।

(ग) अंधेर नगरी नाटक के मंत्री के विषय में आप क्या जानते हैं? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - "अंधेर नगरी" के मंत्री का पात्र स्वार्थी और विवेकहीन है। वह राजा के गलत निर्णयों को जानकर भी उसकी चापलूसी करता है। सत्ता की लालच में अपनी बुद्धि और विवेक को त्याग देता है। नाटक के अंत में, वह भी फाँसी के दावेदारों में शामिल हो जाता है, जो उसकी स्वार्थपरक सोच को दर्शाता है।

(घ) 'मरे हुए बच्चे को गोद में दबाए रखने वाली बंदरिया' का उदाहरण देने का क्या उद्देश्य है? नाखून क्यों बढ़ते हैं? पाठ के आधार पर बताइए।

उत्तर - 'नाखून क्यों बढ़ते हैं?' पाठ में मरे हुए बच्चे को गोद में दबाए रखने वाली बंदरिया का उदाहरण देने का उद्देश्य यह है कि मनुष्य को मोह-माया के बंधनों और पुरानी रूढ़ियों से मुक्त होकर आगे बढ़ना चाहिए।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

33. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

बादशाह को लिए हुए सेना सामने से निकल गई। उनके जाते ही मिरज़ा ने फिर बाज़ी बिछा दी। हार की चोट बुरी होती है। **मीर** ने कहा - आइए नवाब साहब के मातम में एक मरसिया कह डालें। लेकिन, मिरज़ा की राजभक्ति अपनी हार के साथ लुप्त हो चुकी थी। वे हार का बदला चुकाने के लिए अधीर हो रहे थे। शाम हो गई। खंडहर में चमगादड़ों ने चीखना शुरू किया। अबाबीलें आ-आ कर अपने-अपने 'घोंसलों' में चिमटीं। पर दोनों खिलाड़ी डटे हुए थे।

उत्तर -

बादशाह को लिए .... डटे हुए थे।

प्रसंग : प्रस्तुत अवतरण प्रसिद्ध लेखक **"मुंशी प्रेमचंद"** की कहानी **'शतरंज के खिलाड़ी'** से लिया गया है। इसमें नवाब वाजिद अली शाह के शासनकाल और लखनऊ की ऐयाशी भरी संस्कृति का चित्रण किया गया है।

व्याख्या : इस अंश के माध्यम से लेखक ने उस समय का चित्रण है जब अंग्रेज़ी सेना लखनऊ के राजा वाजिद अली शाह को बंदी बनाकर ले जा रही थी। परंतु मीर और मिर्ज़ा अपने शतरंज के खेल में इतने व्यस्त थे कि न राजा की गिरफ़्तारी का उन्हें ग़म हुआ और न देश के बिगड़ते हालात की चिंता। मीर ने नवाब के मातम पर मरसिया कहने का सुझाव दिया, पर मिर्ज़ा को इससे कोई मतलब नहीं था। उनकी देशभक्ति और राजभक्ति उनकी बाज़ी की हार के साथ समाप्त हो चुकी थी। और वे केवल हार का बदला लेने के लिए बेचैन हो उठे। शाम हो चुकी थी, खंडहर में अंधेरा और उदासी फैल गई थी, फिर भी वे खेल में डटे रहे। लेखक यह बताना चाहते हैं कि जब समाज के जिम्मेदार लोग अपने कर्तव्यों से मुंह मोड़ लेते हैं और केवल व्यक्तिगत सुखों में लिप्त रहते हैं, तो राष्ट्र कमजोर और गुलाम हो जाता है।

विशेष :

- सरल और सहज भाषा का प्रयोग हुआ है।
- **अरबी** भाषा के शब्द का प्रयोग किया गया है।
- अमीर वर्ग की लापरवाही और देश के संकट के प्रति उदासीनता पर व्यंग्य किया गया है।

अथवा

किशोर तो जैसे उसकी जान के पीछे पड़ गया था। वह उदास रहने लगा और काम में लापरवाही करने लगा। एक दिन मैं दफ़्तर से विलंब से आया। निर्मला आँगन में चुपचाप सिर पर हाथ रखकर बैठी थी। अन्य लड़कों का पता नहीं था केवल लड़की अपनी माँ के पास खड़ी थी। अँगीठी अभी जली नहीं थी। आँगन गंदा पडा था। बर्तन बिना मले हुए रखे थे। सारा घर जैसे काट रहा था।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर -

किशोर तो जैसे .... काट रहा था।

प्रसंग: प्रस्तुत अवतरण **'बहादुर'** पाठ से लिया गया है जिसके लेखक **"अमरकांत"** है। इस पंक्तियों में बहादुर पर किशोर और निर्मला द्वारा लगातार परेशान करने और डराने-धमकाने का असर दिखाया गया है।

व्याख्या : प्रस्तुत पंक्तियों में बहादुर पर चोरी का आरोप लगाने के बाद से किशोर तो उसकी जान के पीछे पड़ गया था और उसे परेशान करने लगा था, उसे निरंतर डाँट-फटकार सहनी पड़ रही थी, जिसके कारण वह उदास रहने लगता है और काम में लापरवाही करने लगता है।

एक दिन वाचक दफ्तर से देर से घर आया, तो देखा कि निर्मला आँगन में चुपचाप बैठी थी।, सिर पर हाथ रखकर अपने दुःख और चिंता को व्यक्त कर रही थी। घर में अन्य लड़कों का पता नहीं था और केवल लड़की अपनी माँ के पास खड़ी थी। अँगीठी भी अभी जली नहीं थी। घर का वातावरण बहुत ही उदास और अशांत था। आँगन गंदा पड़ा था और बर्तन बिना मले हुए रखे थे।

विशेष :

1. भाषा सरल और सहज है, परन्तु उसके माध्यम से गहरी नैतिक और सामाजिक बात कही गई है।
2. इस कहानी की भाषा पात्रों के व्यक्तित्व और उनके भावों के अनुकूल है।
3. बहादुर के अकेलेपन और पीड़ा को प्रभावशाली ढंग से दिखाया गया है।

34. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

सफलता और चरितार्थता में अंतर है। मनुष्य मारणास्त्रों के संचयन से, बाह्य उपकरणों के बाहुल्य से उस वस्तु को पा भी सकता है, जिसे उसने बड़े आड़म्बर के साथ सफलता का नाम दे रखा है। परंतु मनुष्य की चरितार्थता प्रेम में है, मैत्री में है, त्याग में है, अपने को सब के मंगल के लिए निःशेष भाव से दे देने में है। नाखूनों का बढ़ना मनुष्य की उस अंध सहजात वृत्ति का परिणाम है जो उस के जीवन में सफलता

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

उत्तर - **पाठ का नाम -** नाखून क्यों बढ़ते हैं।

लेखक का नाम - हजारी प्रसाद द्विवेदी।

(ख) मनुष्य की चरितार्थता किस-किस में है?

उत्तर - मनुष्य की चरितार्थता प्रेम में, मैत्री में, त्याग में और सबके मंगल के लिए निःस्वार्थ भाव से अपने को देने में है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ग) मनुष्य अपनी सच्ची जीत कैसे सिद्ध करता है?

उत्तर - मनुष्य अपनी सच्ची जीत अपने स्वनिर्धारित आत्मबंधन के माध्यम से, नाखून काटने जैसे प्रतीकों द्वारा, अपने जीवन को चरितार्थता की ओर ले जाकर और दूसरों के लिए त्याग व सेवा करके सिद्ध करता है।

अथवा

उसके बाद ओले गिरे और फिर पाला पड़ने लगा। सड़कें चमकदार बर्फ से ढककर चाँदी की मालूम होने लगी। छज्जों से बड़े-बड़े बर्फ के टुकड़े लटकने लगे। सभी फ़र के ओवरकोट पहनकर निकलने लगे। बेचारी नन्हीं गौरैया ठंड से अकड़ने लगी; लेकिन वह उसे इतना प्यार करती थी कि उसे वह छोड़ नहीं सकती थी। अंत में उसे लगा की अब उसके दिन करीब हैं। अब उसके परों में केवल इतनी शक्ति शेष थी कि वह राजकुमार के कंधों तक एक बार उड़ सकती थी।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

उत्तर - पाठ का नाम - सुखी राजकुमार

लेखक का नाम - ऑस्कर वाइल्ड

(ख) गद्यांश में वर्णित प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

उत्तर - गद्यांश में शीत ऋतु का सुंदर चित्रण है। ओले और पाले से सड़कें चाँदी जैसी चमकती हैं, बर्फ के टुकड़े लटकते हैं, और वातावरण ठंड एवं सौंदर्य से भरा है।

(ग) इस गद्यांश से गौरैया के चरित्र की किन विशेषताओं का पता चलता है?

उत्तर - गौरैया साहसी और धैर्यशील है। वह अपने प्रिय राजकुमार के प्रति स्नेही और प्रेमपूर्ण है। विपरीत परिस्थितियों में भी त्याग, समर्पण और वफादारी दिखाती है, अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना पूरी शक्ति से मदद करती है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

35. निम्नलिखित गद्यांश का सार एक-तिहाई शब्दों में लिखिए -

'दैव-दैव आलसी पुकारा' उक्ति का अर्थ है कि आलसी व्यक्ति ही भाग्य की दुहाई देता है। वह भाग्य के भरोसे ही जीवन बिता देना चाहता है। सुख प्राप्त होने पर वह भाग्य की प्रशंसा करता है और दुख आने पर वह भाग्य को कोसता है। यह ठीक है कि भाग्य का भी हमारे जीवन में महत्व है, लेकिन आलसी बन कर बैठे रहना तथा असफलता प्राप्त होने पर भाग्य को दोष देना किसी प्रकार भी उचित नहीं। प्रयास और परिश्रम की महिमा सब जानते हैं। परिश्रम के बल पर मनुष्य भाग्य की रेखाओं को भी बदल सकता है। परिश्रम सफलता की कुंजी है। कहा भी है - यदि पुरुषार्थ मेरे दाएँ .हाथ में है तो विजय बाएँ हाथ में। परिश्रम से मिट्टी भी सोना उगलती है। आलसी और कामचोर व्यक्ति ही भाग्य के लेख पढ़ते हैं। कर्मठ व्यक्ति तो बाहुबल पर भरोसा करते हैं। परिश्रमी व्यक्ति स्वावलंबी, ईमानदार, सत्यवादी एव चरित्रवान होता है। आलसी व्यक्ति जीवन में कभी प्रगति नहीं कर सकता। आलस्य जीवन को जड़ बनाता है। आलसी परावलंबी होता है। इसलिए आलस छोड़कर परिश्रमी बनना चाहिए।

उत्तर - "दैव-दैव आलसी पुकारा' का अर्थ है कि आलसी व्यक्ति ही बार-बार भाग्य का सहारा लेता है। वह बिना प्रयास किए केवल किस्मत के भरोसे जीवन बिताना चाहता है। सुख मिलने पर भाग्य की प्रशंसा करता है और दुख आने पर उसे दोष देता है। यह सत्य है कि भाग्य का महत्व है, परंतु सफलता के लिए पुरुषार्थ और परिश्रम अनिवार्य है। परिश्रम से मनुष्य भाग्य की रेखाओं को भी बदल सकता है और विजय प्राप्त कर सकता है। परिश्रमी व्यक्ति स्वावलंबी, ईमानदार और चरित्रवान बनता है, जबकि आलस्य जीवन को जड़ बनाकर प्रगति रोक देता है। इसलिए आलस त्यागकर कर्मठ और पुरुषार्थी बनना चाहिए।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

36. सड़कों की दुर्दशा पर खेद प्रकट करते हुए नगरपालिका के अध्यक्ष को पत्र लिखिए।

उत्तर -

ए/303, गाँधी नरग

नई दिल्ली -110002

22-अक्टूबर-2025

सेवा में,

नगरपालिका अध्यक्ष,

दिल्ली नगर निगम,

न्यू दिल्ली

विषय : सड़कों की दुर्दशा पर खेद प्रकट करने हेतु पत्र

महोदय,

सविनय निवेदन यह है कि मैं शिवानी **वसंत कुंज**, नई दिल्ली की निवासी हूँ मैं आपका ध्यान हमारे शहर की सड़कों की खराब स्थिति की ओर आकर्षित करना चाहती हूँ। शहर की अधिकांश सड़कें टूटी हुई, गड्ढों से भरी हुई हैं और उनकी मरम्मत नहीं की गई है, जिसके कारण निवासियों को दैनिक आवागमन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

ये खराब सड़कें न केवल वाहनों को नुकसान पहुँचा रही हैं, बल्कि दुर्घटनाओं का कारण भी बन रही हैं। बारिश के मौसम में तो स्थिति और भी भयावह हो जाती है, क्योंकि गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी स्थिति और खराब हो जाती है। इससे पैदल चलने वालों और स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए भी खतरा उत्पन्न हो गया है।

मैं आपसे अनुरोध करती हूँ कि इस समस्या पर तुरंत ध्यान देते हुए सड़कों की मरम्मत का कार्य शुरू करवाएँ, ताकि नागरिकों को सुगम और सुरक्षित यात्रा की सुविधा प्रदान की जा सके।

भवदीय,

शिवानी

अथवा

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

आप एक ट्रैकिंग कैंप में जाना चाहते हैं। पिताजी ने मना कर दिया है। उन्हें ट्रैकिंग के लाभ समझाते हुए पत्र लिखिए।

उत्तर -

123, राम नगर,

नई दिल्ली - 110018

दिनांक : 27 अगस्त 2025

पूजनीय पिताजी,

सादर प्रणाम।

आशा है आप स्वस्थ और प्रसन्न होंगे। पिताजी, मैंने आपसे ट्रैकिंग कैंप में जाने की अनुमति माँगी थी, लेकिन आपने मना कर दिया। मैं समझता हूँ कि आप मेरी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। फिर भी मैं आपको बताना चाहता हूँ कि ट्रैकिंग जाना मेरे लिए कितना लाभकारी होगा।

ट्रैकिंग से शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहता है। पहाड़ों पर चढ़ाई करने से शरीर मजबूत बनता है और सहनशीलता बढ़ती है। यह खेल मुझे प्रकृति के करीब ले जाएगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा और पढ़ाई में भी मन अधिक लगेगा। इसके अलावा, समूह में रहकर कार्य करना सीखूँगा, जिससे अनुशासन, साहस और आत्मविश्वास बढ़ेगा। कठिन परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखना और समस्याओं का समाधान ढूँढना भी सीख सकूँगा।

मैं वादा करता हूँ कि वहाँ पूरी सावधानी रखूँगा और शिक्षकों व प्रशिक्षकों के निर्देशों का पालन करूँगा। आपकी अनुमति मेरे लिए सबसे बड़ा सहारा होगी।

आपका आज्ञाकारी पुत्र

नितिन

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

37. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबंध लिखिए :

(क) इक्कीसवीं सदी का भारत

(ख) बढ़ती आबादी और सिमटते साधन

(ग) स्वच्छ भारत अभियान का प्रभाव

(घ) जहाँ चाह वहाँ राह

उत्तर -

स्वच्छ भारत अभियान का प्रभाव

भूमिका : भारत एक विशाल और प्राचीन देश है, जहाँ संस्कृति और सभ्यता की महान परंपरा रही है। किंतु लंबे समय से गंदगी, खुले में शौच और कचरे की समस्या से हमारा देश जूझता रहा। ऐसी स्थिति में स्वच्छता की ओर ध्यान दिलाने और देशवासियों को प्रेरित करने के लिए **2 अक्टूबर 2014** को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत की। इसका उद्देश्य था- भारत को गंदगी मुक्त बनाना और हर नागरिक को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना।

विषय-वस्तु : इस अभियान के अंतर्गत गांवों और शहरों में शौचालयों का निर्माण हुआ, जिससे खुले में शौच की समस्या काफी हद तक कम हुई। लोग अब सार्वजनिक स्थलों पर कचरा फैलाने से बचने लगे हैं। स्कूलों और कार्यालयों में स्वच्छता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाने लगे। इससे बच्चों और युवाओं में साफ-सफाई की आदत विकसित हुई।

स्वच्छ भारत अभियान का प्रभाव केवल स्वास्थ्य तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि सामाजिक दृष्टि से भी सकारात्मक रहा। पहले सफाई कार्य को तुच्छ समझा जाता था, लेकिन अब सफाई कर्मियों के प्रति लोगों का दृष्टिकोण बदला है। उन्हें सम्मान मिलने लगा है। साथ ही, साफ वातावरण में रहने से लोग मानसिक रूप से भी प्रसन्न रहने लगे हैं।

उपसंहार : स्वच्छ भारत अभियान ने देश को नई दिशा दी है। यह अभियान हमें याद दिलाता है कि "स्वच्छता ही सेवा है।" यदि हर नागरिक अपनी जिम्मेदारी समझे और घर से लेकर गली-मोहल्ले तक सफाई बनाए रखे, तो निश्चित ही भारत शीघ्र ही एक स्वच्छ और स्वस्थ राष्ट्र बन सकेगा। इस प्रकार यह अभियान केवल सरकार का नहीं, बल्कि हर भारतीय का अभियान है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

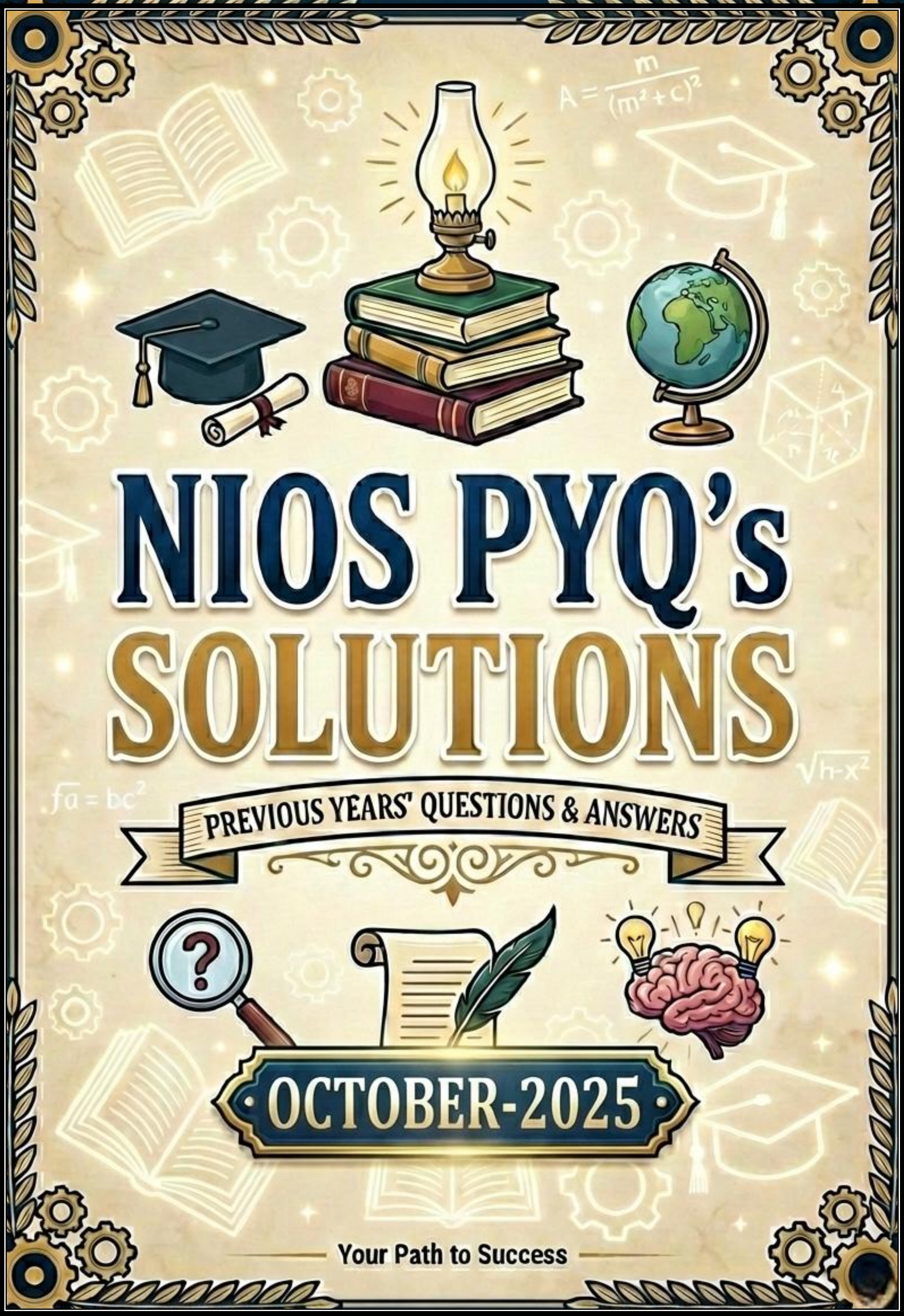
NIOS PYQ's
SOLUTIONS
PREVIOUS YEARS' QUESTIONS & ANSWERS
OCTOBER-2025
Your Path to Success

खंड 'अ'

1. 'आह्वान' कविता के अनुसार सुख-शांतिमय उद्देश्य आज़ादी और _____ है।

उत्तर - खुशहाली

2. "अब दादुर वक्ता भए, हमको पूछत कौन ?" रहीम ने 'हमको' शब्द का प्रयोग किस अर्थ में किया है?

(A) मूर्ख

(B) कोयल

(C) गरीब

(D) विद्वान

उत्तर - (B) कोयल

3. निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरिए और उन्हें अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

(क) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता के अनुसार जो प्रकृति के कष्ट को महसूस करते हैं, वे सही अर्थों में _____ हैं।

उत्तर - मनुष्य

(ख) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता के कवि अनुसार नगर तो _____ हो गए हैं।

उत्तर - व्यावसायिक

(ग) 'आह्वान' कविता में कवि निराशा, आलस एवं _____ से ग्रस्त देश की जनता को जगाने की कोशिश कर रहा है।

उत्तर - अकर्मण्यता

4. निमलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान भरिए और उन्हें अपनी उत्तर -पुस्तिका में लिखिए :

(क) आज़ादी अज्ञानी के लिए _____ और थके-माँदे के लिए _____ होती है।

उत्तर - ज्ञान, बिस्तर

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ख) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता के अनुसार विशाल पहाड़ की _____ देखकर लगता है जैसे वह _____ समाधि में बैठा हो।

उत्तर - स्थिरता, मौन

5. निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

(क) दर्जी ने अपने _____ के आधार पर बताया कि _____ अनिवार्य आवश्यकताओं की पूर्ति ही आज़ादी है।

उत्तर - अनुभवों, मूलभूत

(ख) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में _____ समाज के ढोंगी लोगों का प्रतीक है, जो _____ करते हैं।

उत्तर - बगुला, दिखावा

6. निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

ब्रह्मचर्य से मुखमंडल पर चमक रहा हो तेज अपरिमित,

जिनका हो सुगठित शरीर, दृढ़ भुजदंडों में बल हो विकसित,

जिनका हो उन्नत ललाट, हो निर्मल दृष्टिज्ञान से दीपित,

उर में हो उत्साह उच्छ्वसित, साहस, शक्ति, शौर्य हो संचित।

देश-प्रेम से उमड़ रहा हो जिनकी वाणी में जय-जय स्वर,

हमको ऐसे युवक चाहिए, सकें देश का जो संकट हर !

रस-विलास के रहे न लोलुप, जिनमें हो विराग वैभव का,

अतुल त्याग हो छिपा देशहित, जिन्हें गर्व हो निज गौरव का।

सेवाव्रत में जो दीक्षित हों, दीन-दुखी के दुख से कातर,

पर-संताप दूर करने को ललक रहा हो जिनका अंतर।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

बने देशहित वैरागी, जो अपना घरबार छोड़कर,

हमको ऐसे युवक चाहिए, सकें देश का जो संकट हर !

सदा सत्य पथ के अनुयायी, जिन्हें अनृत से मन में भय हो;

दुर्बल के बल बनने के हित जिनमें शाश्वत भाव उदय हो।

जिन्हें देश के बंधन लखकर कुछ न सुहाता हो सुख-साधन,

स्वतन्त्रता की रटन अधर में, आज़ादी जिनका आराधन,

जो शिर-सुमन चढ़ा सकते हों, हर्षित हो माँ के चरणों पर,

हमको ऐसे युवक चाहिए, सकें देश का जो संकट हर !

प्रश्न :

(क) कवि के अनुसार हमें आज कैसे युवक नहीं चाहिए?

(A) सुगठित शरीर वाले

(B) उन्नत ललाट वाले

(C) देश भक्त

(D) रस-विलास में डूबे हुए

उत्तर - (D) रस-विलास में डूबे हुए

(ख) 'शाश्वत' का विपरीत शब्द है।

(A) अनंत

(B) सतत

(C) क्षणिक

(D) स्थायी

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर - (C) क्षणिक

(ग) सदा सत्य के रास्ते पर चलने वालों के मन में किसका भय लगा रहता है?

(A) झूठ का

(B) लोगों का

(C) देश का

(D) परिवार का

उत्तर - (A) झूठ का

(घ) कविता के अनुसार सुख-साधन किन्हें अच्छे नहीं लगते?

(A) स्वतन्त्रता का विरोध करने वालों को

(B) देश पर सर्वस्व त्याग करने वालों को

(C) दुर्बल की सहायता न करने वालों को

(D) स्वार्थी लोगों को

उत्तर - (B) देश पर सर्वस्व त्याग करने वालों को

निम्नलिखित प्रश्नों में दिए गए रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

7. 'अंधेर नगरी' नाटक में गोबरधनदास द्वारा अपने गुरुजी को पुकारने का उद्देश्य था:

(A) राजा को खुश करना

(B) खुद को फाँसी से बचाना

(C) शुभ मुहूर्त का पता लगाना

(D) शोर मचाना

उत्तर - (B) खुद को फाँसी से बचाना

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

8. "चूँकि अब वह सुंदर नहीं, अतः उसका कोई उपयोग नहीं है," यह कथन किसका है?

(A) राजकुमार

(B) गौरैया

(C) कलाविज्ञ

(D) मेयर

उत्तर - (C) कलाविज्ञ

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

9. 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी में मिरज़ा की बेगम को किससे द्वेष था कि अवसर खोज-खोज कर वह पति को लड़ने लगती?

(A) पड़ोस की स्त्री से

(B) नौकर से

(C) शतरंज के खेल से

(D) देश की कानून-व्यवस्था से

उत्तर - (C) शतरंज के खेल से

10. विज्ञापन का उद्देश्य क्या नहीं है?

(A) सूचना देना

(B) भाषा-शिक्षण

(C) व्यवसाय में वृद्धि

(D) प्रचार-प्रसार

उत्तर - (B) भाषा-शिक्षण

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

11. सार लेखन में निम्न में से कौन सी बात को छोड़ दिया जाता है?

(A) मूल भाव

(B) क्रम

(C) मुहावरों-लोकोक्तियों

(D) शब्दों की सीमा

उत्तर - (C) मुहावरों-लोकोक्तियों

निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

12. 'नाखून क्यों बढ़ते हैं?' पाठ के अनुसार मनुष्य में जो घृणा है जो अनायास - बिना सिखाए आ जाती है वह _____, ________, ________ है।

उत्तर - पशुत्व की द्योतक, संयम और मनुष्य का स्वधर्म

13. दुकानदारों, प्रकाशकों तथा कंपनियों को लिखे जाने वाले पत्र __________ कहलाते हैं।

उत्तर - व्यावसायिक पत्र

14. रिक्त स्थान भरिए :

(क) 'बहादुर' कहानी के लेखक का नाम है _____।

उत्तर - अमरकांत

(ख) 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी में शासक वर्ग की _____ की चरम परिणति दिखाई पड़ती है।

उत्तर - विलासिता और अकर्मण्यता

15. निम्नलिखित संवाद किस पात्र के हैं ? पहचान कीजिए और रिक्त स्थान भरिए -

(क) "मेरे उपवन में राजकुमार सदा विहार करेगा।" _______

उत्तर - ईश्वर

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ख) "गठरी तो भारी मालूम पड़ती है।" ______

उत्तर - महंत

16. नीचे दिए गए कथनों को उत्तर-पुस्तिका में लिखिए और बताइए वे सही हैं या गलत :

(क) नाखूनों का बढ़ना मनुष्य की अंध सहजात वृत्ति का परिणाम है।

उत्तर - सही

(ख) बहादुर बहुत हँसमुख और कामचोर था।

उत्तर - गलत

17. प्रार्थना पत्र लिखते समय सभी बातें _____ लिखी जानी चाहिए और अंत में _____ प्रकट करनी चाहिए।

(A) सम्मानपूर्वक, कृतज्ञता

(B) स्पष्ट, शिष्टाचार

(C) कृतज्ञता, संदेश

(D) सम्मानपूर्वक, बातचीत

उत्तर - (A) सम्मानपूर्वक, कृतज्ञता

18. नीचे दिए गए पाठों और पात्रों के सही युग्म चुनिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

पाठ का नाम		पात्र का नाम
(क) बहादुर	-	**कल्लू**
(ख) अंधेर नगरी	-	**किशोर**

उत्तर -

पाठ का नाम		पात्र का नाम
(क) बहादुर	-	किशोर
(ख) अंधेर नगरी	-	कल्लू

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

19. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(क) सुखी राजकुमार के हृदय में मानवता का भाव जागता है तो उसकी भाषा भी _______ और प्रेम से भर उठती है।

उत्तर - मानवीय कोमलता (करुणामयी)

(ख) 'नाखून क्यों बढ़ते हैं ?' पाठ के अनुसार मनुष्य की _______ प्रेम में है।

उत्तर - चरितार्थता

20. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

अच्छे या बुरे का निर्माण हम स्वयं करते हैं। हमारे आपके ही संकल्प दूसरों के संकल्पों से टकराकर तदनुसार वातावरण बनाने के लिए होते हैं। हमें सदैव शुभ संकल्प ही करने चाहिए। यजुर्वेद के एक मंत्र में यही प्रार्थना की गई है कि मेरे मन के संकल्प - 'हे प्रभु ! हमें बराबर कल्याण को प्राप्त कराइए।' यहाँ कल्याण शब्द का प्रयोग व्यापक अर्थ में हुआ है। केवल भौतिक संसाधनों की उपलब्धि ही नहीं वरन् पारमार्थिक सत्य की सिद्धि ही सच्चे अर्थों में कल्याण है। संत-सभा के सेवन तथा हरि-गुन-गायन से ही इसकी उपलब्धि संभव है। सफलता के लिए केवल संकल्प ही पर्याप्त नहीं है तदनुरूप आचरण एक ऐसे दर्पण के सदृश है, जिसमें हर मनुष्य को अपना प्रतिबिंब दिखाई देता है। मनुष्य के कर्म ही उसके विचारों की सबसे अच्छी व्याख्या हैं। हम जिस वस्तु की कामना करते हैं, उसी से हमारे कर्म की उत्पत्ति है। गीता में कर्म की व्याख्या के रूप में कहा गया है कि इस प्रकृति में जो कुछ भी परिवर्तित होता है वह सब क्रिया है और क्रियाओं का पुंज पदार्थ है। वे ही कर्म चाहे कायिक हों या वाचिक अथवा मानसिक इष्ट, अनिष्ट तथा मिश्रित फल देने वाले होते हैं। उन कर्मों में करने के जो भाव हैं वे कर्त्ता में ही रहते हैं।

प्रश्न :

(क) मनुष्य के विचारों की सबसे अच्छी व्याख्या करते हैं

(A) मनुष्य के कर्म

(B) मनुष्य के अपने विचार और उनका प्रकटीकरण

(C) मनुष्य द्वारा अध्ययन की जाने वाली पुस्तकें

(D) मनुष्य का अपना व्यवहार

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर - (A) मनुष्य के कर्म

(ख) जिसमें हर मनुष्य को अपना प्रतिबिम्ब दिखाई देता है, वह है

(A) दर्पण

(B) स्वच्छ, निर्मल जल वाला तालाब

(C) मनुष्य का अपना आचरण

(D) संत-सभा और हरि गुणगान

उत्तर - (C) मनुष्य का अपना आचरण

(ग) कल्याण का व्यापक अर्थ क्या है ?

(A) भौतिक संसाधनों की उपलब्धि

(B) भौतिक संसाधनों की उपलब्धि ही नहीं वरन् पारमार्थिक सत्य की सिद्धि ही परम कल्याण है।

(C) भौतिक सुख के अभाव में परम कल्याण की बात अज्ञानता है।

(D) आत्मिक सुख से संबंधित, वह भौतिक भी हैं और अभौतिक भी हैं।

उत्तर - (B) भौतिक संसाधनों की उपलब्धि ही नहीं वरन् पारमार्थिक सत्य की सिद्धि ही परम कल्याण है।

(घ) हमें सदैव शुभ संकल्प ही करने चाहिए। इसे कहा गया है-

(A) गीता

(B) ऋग्वेद

(C) सामवेद

(D) यजुर्वेद

उत्तर - (D) यजुर्वेद

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

21. 'अपना उल्लू सीधा करना' मुहावरे का अर्थ है ________।

(A) आत्मनिर्भर होना

(B) बड़ा कार्य पूर्ण करना

(C) साफ़ इंकार करना

(D) स्वार्थ सिद्ध करना

उत्तर - (D) स्वार्थ सिद्ध करना

22. 'धनहीन' पद ________ समास का उदाहरण है।

(A) अव्ययीभाव

(B) तत्पुरुष

(C) द्वंद्व

(D) द्विगु

उत्तर - (B) तत्पुरुष

23. निम्नलिखित वाक्यों में से शुद्ध वाक्य है :

(A) सुनिए, अंदर चले जाइए।

(B) सुनिए, अंदर चले जाओ।

(C) सुनिए, अंदर जाओ चले।

(D) अंदर चले आओ, सुनिए।

उत्तर - (A) सुनिए, अंदर चले जाइए।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

24. निम्नलिखित वाक्य है :

भोर हुई और हम लोग शिमला पहुँच गए।

(A) सरल वाक्य

(B) संयुक्त वाक्य

(C) मिश्र वाक्य

(D) विधानवाचक

उत्तर - (B) संयुक्त वाक्य

25. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

(क) 'रेखांश' का संधि-विच्छेद _________ है।

उत्तर - रेखा + अंश

(ख) 'स्वेच्छा' का संधि-विच्छेद ________ है।

उत्तर - स्व + इच्छा

26. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

(क) 'वियोग' शब्द में ________ उपसर्ग है।

उत्तर - वियोग में उपसर्ग = वि

(ख) 'दर्शनीय' शब्द में ________ प्रत्यय है।

उत्तर - दर्शनीय में प्रत्यय = ईय

27. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

(क) कमीज़, पेड़, गलीचा और भक्त में से देशज शब्द है ________ ।

उत्तर - पेड़

(ख) फ़ैसला, डॉक्टर, घोड़ा और सज़ा में से तद्भव शब्द है ________ ।

उत्तर - घोड़ा

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

खंड 'ब'

28. निम्नलिखित काव्यांश के कवि और कविता का नामोल्लेख करते हुए काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए :

(क) इस घाट अपने कपड़े और
मवेशी धोते,
सोचा है कभी कि उस घाट,
पी रहा होगा कोई प्यासा पानी,
या कोई स्त्री चढ़ा रही होगी
किसी देवता को अर्घ्य ?

उत्तर -

इस घाट .... को अर्घ्य ?

भाव सौन्दर्य : प्रस्तुत काव्यांश बूढ़ी पृथ्वी का दुख कविता से लिया गया है जिसके कवि निर्मला पुतुल है इन पंक्तियों में कवयित्री ने मनुष्य की स्वार्थी और संवेदनहीन मानसिकता पर गहरा प्रहार किया है। वे कहती हैं कि हम अक्सर अपने तत्कालीन लाभ के बारे में सोचते हैं, बिना यह परवाह किए कि हमारे कर्मों का दूसरों पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

नदी का एक घाट जहाँ गंदगी (कपड़े और मवेशी धोना) फैला रहा है, वही पानी बहकर दूसरे घाट पर किसी प्यासे की प्यास बुझाने या किसी स्त्री द्वारा देवता को पवित्र 'अर्घ्य' देने के काम आता है। कवयित्री मनुष्य को याद दिलाती हैं कि प्रकृति और जल सभी के लिए साझा हैं, इसलिए इसे प्रदूषित करना मानवता और आस्था दोनों के प्रति अपराध है।

शिल्प सौन्दर्य :

1. यहाँ मानवीकरण अलंकार का सुंदर प्रयोग है, जहाँ नदी को एक संवेदनशील साथी के रूप में चित्रित किया गया है।
2. भाषा सहज, सरल और उद्बोधनपरक है, जो पाठकों को आत्मचिंतन के लिए प्रेरित करती है।
3. यहाँ 'अर्घ्य' और 'मवेशी' जैसे तत्सम और तद्भव शब्दों का सुंदर मिश्रण है, जो भाषा को सटीक अर्थ प्रदान करता है।
4. दृश्य बिंब का सुंदर प्रयोग है। जैसे - आँखों के सामने नदी के घाट, मवेशियों को धोते लोग और पानी पीते किसी प्यासे का सजीव।

अथवा

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ख) आज़ादी कवि के लिए शब्द है,
शिकारी के लिए तीर,
तनहाई के मारे के लिए महफ़िल है,
डरे हुए के लिए पनाह।

उत्तर -

आज़ादी कवि .... लिए पनाह।

भाव सौन्दर्य : प्रस्तुत काव्यांश आज़ादी कविता से लिया गया है जिसके कवि बालचंद्रन चुल्लिक्काड है इन पंक्तियों में कवि ने स्पष्ट किया है कि 'आज़ादी' कोई एक निश्चित वस्तु या विचार नहीं है, बल्कि समाज के हर व्यक्ति की ज़रूरत के अनुसार इसके मायने अलग-अलग होते हैं। एक कवि के लिए उसकी स्वतंत्रता उसके 'शब्दों' में है, जिससे वह समाज को नई दिशा दे सके। एक शिकारी के लिए उसका 'तीर' ही उसकी आज़ादी है, जो उसकी आजीविका और सामर्थ्य का प्रतीक है। इसके अलावा, एक अकेले व्यक्ति (तनहाई के मारे) के लिए लोगों की 'महफ़िल' या साथ ही आज़ादी है, जो उसे अकेलेपन से मुक्त करती है। एक भयभीत व्यक्ति (डरे हुए) के लिए 'पनाह' या सुरक्षित स्थान ही उसकी वास्तविक आज़ादी है, जहाँ उसे कोई डर न हो।

शिल्प सौन्दर्य :

1. कविता में अत्यंत सरल, सुबोध और व्यावहारिक खड़ी बोली का प्रयोग किया गया है। उर्दू के शब्दों (तनहाई, महफ़िल, पनाह) के समावेश से भाषा अधिक प्रभावी और आम जनमानस के करीब बन पड़ी है।
2. यहाँ 'कवि के लिए शब्द', 'शिकारी के लिए तीर' जैसी समानांतर संरचनाओं के कारण **उल्लेख अलंकार** की छटा दिखाई देती है, जहाँ एक ही वस्तु (आज़ादी) का अनेक रूपों में वर्णन है।
3. प्रत्येक पंक्ति पाठक के मन में एक नया चित्र (जैसे अकेला व्यक्ति, तीर चलाता शिकारी) उभारती है, अतः यहाँ **विचार बिंब** और **दृश्य बिंब** का सटीक तालमेल है।

29. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) नैना देत बताए सब, हिय को हेत-अहेत ।
जैसे निरमल आरसी, भली-बुरी कहि देत ।।

उत्तर -

नैना देत बताए .... हेत-अहेत।

प्रसंग : प्रस्तुत अवतरण **'वृंद के दोहे'** (या नीति के दोहे) पाठ से लिया गया है। इसके कवि **वृंद** हैं। इस दोहे में कवि ने मनुष्य के नेत्रों (आँखों) की तुलना दर्पण से करते हुए बताया है कि आँखें मन के भीतर छिपे सभी भावों को बाहर प्रकट कर देती हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

व्याख्या : कवि वृंद कहते हैं कि मनुष्य की आँखें (नैना) उसके हृदय (हिय) के सारे भेद खोल देती हैं। मन में किसी के प्रति प्रेम (हेत) का भाव हो या दुश्मनी/बुराई (अहेत) का भाव, आँखें उसे बिना कुछ बोले ही साफ़-साफ़ बता देती हैं। इस बात को समझाने के लिए वे एक सुंदर उदाहरण देते हैं कि जिस प्रकार एक साफ़ और स्वच्छ आईना (निरमल आरसी) अपने सामने आने वाली हर अच्छी (भली) या बुरी चीज़ के रूप को जैसा का तैसा दिखा देता है, ठीक उसी प्रकार हमारी आँखें भी मन के सच्चे और झूठे सभी भावों का आईना होती हैं। इंसान झूठ बोल सकता है, पर उसकी आँखें कभी झूठ नहीं बोलतीं।

विशेष :

1. भाषा अत्यंत सरल और सुबोध ब्रजभाषा है।
2. यहाँ 'उपमा' और 'दृष्टांत' अलंकार का सुंदर प्रयोग किया गया है (नेत्रों की तुलना दर्पण से की गई है)।
3. दोहा छंद का प्रयोग हुआ है, जो गेय (गाने योग्य) है।

अथवा

(ख) एक बीते के बराबर

यह हरा ठिगना चना,

बाँधे मुरैठा शीश पर

छोटे गुलाबी फूल का,

सज कर खड़ा है।

उत्तर -

एक बीते के .... कर खड़ा है।

प्रसंग : यह काव्यांश 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता से लिया गया है। इसके कवि केदारनाथ अग्रवाल हैं। इस अंश में कवि ने चंद्रगहना नामक गाँव के खेत में उगे चने के पौधे का बहुत ही सुंदर और सजीव मानवीकरण किया है।

व्याख्या : कवि खेत की मेड़ पर बैठकर वहाँ की प्राकृतिक सुंदरता को देख रहे हैं। वे चने के एक पौधे का वर्णन करते हुए कहते हैं कि यह चने का पौधा आकार में बहुत छोटा सा है- लगभग एक बीते (एक बालिश्त या हथेली की लंबाई) के बराबर। यह छोटा और नाटा (ठिगना) पौधा हरे रंग का है।इसके शीर्ष (ऊपरी भाग) पर छोटे-छोटे गुलाबी रंग के फूल खिले हुए हैं। कवि को यह दृश्य देखकर ऐसा लगता है जैसे कोई छोटा सा दूल्हा अपने सिर (शीश) पर गुलाबी रंग की पगड़ी (मुरैठा) बाँधकर, पूरी तरह सज-धज कर शादी के लिए तैयार खड़ा हो।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

विशेष :

1. चने के पौधे को दूल्हे के रूप में दिखाकर यहाँ मानवीकरण अलंकार का बहुत ही खूबसूरत प्रयोग किया गया है।
2. भाषा अत्यंत सरल, दृश्यमयी और व्यावहारिक खड़ी बोली हिंदी है।
3. इसमें मुक्त छंद का प्रयोग किया गया है, और 'छोटे गुलाबी फूल का' में सुंदर दृश्य बिंब उभरता है।

30. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिखिए :

(क) शागिर्द ने अपने सवाल 'आज़ादी क्या होती है' के दौरान कुछ जिज्ञासाएँ व्यक्त की थीं। क्या उन जिज्ञासाओं के साथ आप कुछ और जिज्ञासाएँ जोड़ सकते हैं ? उन्हें उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।

उत्तर - शागिर्द ने अपने सवाल 'आज़ादी क्या होती है' के दौरान कुछ जिज्ञासाएँ व्यक्त की थीं। जैसे कि क्या आज़ादी चारागाह में चरती गाय है या आसमान में उड़ती चिड़िया। इस संदर्भ में, हम कुछ नई जिज्ञासाएँ जोड़ सकते हैं कि क्या आज़ादी हर बंधन से मुक्त होना है, या बिना ज़िम्मेदारी और अनुशासन के मनमर्जी करना ही सच्ची आज़ादी है?

(ख) 'आह्वान' कविता के अनुसार 'पाठ पौरुष का पढ़ो' कथन से कवि का क्या आशय है ?

उत्तर - 'पाठ पौरुष का पढ़ो' से कवि का आशय है कि मनुष्य को भाग्य के भरोसे हाथ पर हाथ धरकर बैठे रहने की प्रवृत्ति (भाग्यवाद) को त्याग देना चाहिए। उसे उठकर अपने पुरुषार्थ, कर्म और कठिन परिश्रम पर विश्वास करते हुए आगे बढ़ना चाहिए, क्योंकि कर्म के बिना परिस्थितियों को बदला नहीं जा सकता

(ग) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता के आधार पर लिखिए कि पर्यावरण के असंतुलित होने से मानव-जीवन पर क्या कुप्रभाव पड़ता है ?

उत्तर - 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता के आधार पर पर्यावरण असंतुलन से शुद्ध हवा और पीने का साफ़ पानी मिलना बंद हो जाता है। प्रदूषण, नई बीमारियाँ, ग्लोबल वार्मिंग और प्राकृतिक आपदाएँ बढ़ने से मानव का अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाता है।

(घ) कबीरदास के अनुसार ऊँचे कुल में जन्मे लोग भी निंदा के पात्र क्यों बन जाते हैं ?

उत्तर - कबीरदास के अनुसार यदि ऊँचे कुल में जन्म लेकर भी मनुष्य के कर्म नीच या बुरे हों, तो वह समाज में निंदा का पात्र बनता है; ठीक वैसे ही जैसे सोने के कलश में भरी शराब निंदनीय होती है।

31. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिखिए :

(क) वैकुण्ठ जाने के लालच में मूर्ख राजा फाँसी चढ़ जाता है। 'अंधेर नगरी' के राजा की जैसी विवेकहीनता और अंधविश्वास क्या आज भी लोगों में देखा जा सकता है ? स्पष्ट कीजिए

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर - वैकुण्ठ जाने के लालच में मूर्ख राजा फाँसी चढ़ जाता है। 'अंधेर नगरी' के राजा की जैसी विवेकहीनता और अंधविश्वास आज भी समाज में दिखती है। लोग अंधविश्वास, ढोंगी बाबाओं के चक्कर में आकर और रातों-रात अमीर बनने के लालच में अपना भारी नुकसान करवा बैठते हैं।

(ख) 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी का मुख्य उद्देश्य क्या है ?

उत्तर - शतरंज के खिलाड़ी' कहानी का मुख्य उद्देश्य तत्कालीन शासक वर्ग की विलासिता, अकर्मण्यता और कायरता को दिखाना है, जिसके कारण देश का पतन हुआ और वह अंग्रेजों का गुलाम बन गया।

(ग) 'सुखी राजकुमार' कहानी में नगर के लोग राजकुमार की प्रतिमा की तारीफ़ क्यों कर रहे थे ?

उत्तर - सुखी राजकुमार' कहानी में नगर के लोग राजकुमार की प्रतिमा की तारीफ़ इसलिए कर रहे थे क्योंकि वह सोने की परतों, नीलम की आँखों और तलवार की मूठ में लगे कीमती लाल माणिक्य से अत्यंत सुंदर और भव्य दिखती थी।

(घ) जब बहादुर को अपने घर की याद आती थी तो वह क्या करता था ?

उत्तर - जब बहादुर को अपने घर की याद आती थी तो वह रात को बरामदे में अपनी नेपाली टोपी पहनकर ताश के पत्तों और कंकड़ों से खेलता था और धीमी आवाज़ में पहाड़ी गीत गुनगुनाने लगता था।

32. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिखिए :

(क) बहादुर ईमानदार था परंतु किसी ने उस पर विश्वास नहीं किया। क्या ऐसा करना लोगों की छोटी सोच को दर्शाता है ? अपने विचार व्यक्त कीजिए।

उत्तर - बहादुर ईमानदार था परंतु किसी ने उस पर विश्वास नहीं किया। यह समाज की संकीर्ण मानसिकता को दर्शाता है। लोग अक्सर गरीब घरेलू नौकरों को सहज ही चोर मान लेते हैं और बिना किसी ठोस प्रमाण के उन पर झूठे आरोप मढ़ देते हैं।

(ख) 'सुखी राजकुमार' पाठ के आधार पर लिखिए कि गौरैया का व्यक्तित्व परिवर्तन किन कारणों से हुआ ?

उत्तर - 'सुखी राजकुमार' पाठ के आधार पर गौरैया का व्यक्तित्व परिवर्तन सुखी राजकुमार के हृदय में गरीबों के प्रति सच्ची सहानुभूति, करुणा और निःस्वार्थ भाव से दूसरों की मदद करने की तड़प को करीब से देखने के कारण हुआ।

(ग) 'अंधेर नगरी' नाटक में मंत्री के चरित्र में आपको क्या खोट नज़र आती है ?

उत्तर - 'अंधेर नगरी' नाटक में मंत्री राजा की तरह ही मूर्ख, चापलूस और स्वार्थी है। वह राजा के गलत और विवेकहीन फैसलों का विरोध करने के बजाय केवल अपनी कुर्सी बचाने के लिए हाँ में हाँ मिलाता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

33. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) मेरा मन पूछता है – किस ओर ? मनुष्य किस ओर बढ़ रहा है ? पशुता की ओर या मनुष्यता की ओर ? अस्त्र बढ़ाने की ओर या अस्त्र काटने की ओर ? मेरी निर्बोध बालिका ने मानो मनुष्य जाति से ही प्रश्न किया है – जानते हो, नाखून क्यों बढ़ते हैं ? यह हमारी पशुता के अवशेष हैं। मैं भी पूछता हूँ – जानते हो, ये अस्त्र-शस्त्र क्यों बढ़ रहे हैं ? – ये हमारी पशुता की निशानी है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

उत्तर - **पाठ का नाम** नाखून क्यों बढ़ते हैं और **लेखक का नाम** आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी है।

(ख) उपर्युक्त गद्यांश की भाषा-शैली पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तर - उपर्युक्त गद्यांश की भाषा तत्सम प्रधान खड़ी बोली हिंदी है, जो अत्यंत गंभीर और अर्थपूर्ण है।इसकी शैली विचारात्मक और प्रश्नात्मक है। लेखक ने पाठकों के सामने "किस ओर?", "पशुता की ओर या मनुष्यता की ओर?" जैसे गहरे सवाल खड़े करके उन्हें चिंतन करने पर मजबूर किया है।

(ग) हमारी पशुता की निशानी किसे कहा जा सकता है ?

उत्तर - हमारी पशुता की निशानी दिनों-दिन बढ़ते हुए हिंसक अस्त्र-शस्त्र (हथियार) और मनुष्य के बढ़ते हुए नाखून हमारी आदिम हिंसक प्रवृत्ति और पशुता की निशानी हैं।

(ख) मिरज़ा - जनाब ज़रा ठहरिए। इस वक्त इधर तबीयत नहीं लगती। बेचारे नवाब साहब इस वक्त ख़ून के आँसू रो रहे होंगे।

मीर - रोया ही चाहें। यह ऐश वहाँ कहाँ नसीब होगा। यह किश्त।

मिरज़ा - किसी के दिन बराबर नहीं जाते। कितनी दर्दनाक हालत है।

मीर - हाँ, सो तो है ही - यह लो, फिर किश्त। बस, अब की किश्त में मात है, बच नहीं सकते।

मिरज़ा - खुदा की कसम, आप बड़े बेदर्द हैं। इतना बड़ा हादसा देख कर भी आपको दुख नहीं होता। हाय गरीब वाजिद अली शाह !

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

उत्तर - उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का नाम शतरंज के खिलाड़ी और लेखक का नाम मुंशी प्रेमचंद है।

(ख) इस गद्यांश की भाषा-शैली पर टिप्पणी कीजिए।

उत्तर - इस गद्यांश की भाषा-शैली :

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

- **भाषा :** गद्यांश में उर्दू-मिश्रित खड़ी बोली (हिंदुस्तानी भाषा) का प्रयोग किया गया है। इसमें 'तबीयत', 'ऐश', 'किश्त' और 'हादसा' जैसे तत्कालीन समाज में प्रचलित अरबी-फारसी शब्दों का सहज उपयोग हुआ है।
- **शैली :** इसकी शैली संवादात्मक और नाटकीय है। पात्रों के छोटे और तीखे संवाद पूरी कहानी की मूल भावना को स्पष्ट रूप से सामने लाते हैं।

(ग) इस गद्यांश में मीर और मिरज़ा के चरित्र की कौन सी बुराई उजागर होती है ?

उत्तर - इस गद्यांश से दोनों पात्रों की संवेदनहीनता, अकर्मण्यता, विलासिता और राष्ट्रप्रेम का अभाव उजागर होता है। जब उनका देश और राजा (वाजिद अली शाह) संकट में हैं और बंदी बनाए जा रहे हैं, तब भी वे राष्ट्रीय कर्तव्य भूलकर केवल शतरंज की बाज़ी जीतने और अपनी विलासिता में डूबे हुए हैं। मिरज़ा केवल जुबान से सहानुभूति दिखाते हैं, परंतु कर्म से दोनों ही पूरी तरह लापरवाह हैं।

34. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) गोबरधनदास - गुरु जी महाराज। सात पैसे भीख में मिले थे, उसी से इतनी मिठाई मोल ली है।

महंत - बच्चा ! नारायणदास ने मुझसे कहा था कि यहाँ सब चीज़ टके सेर मिलती है, मैंने इसकी बात का विश्वास नहीं किया। बच्चा, यह कौन सी नगरी है और इसका कौन राजा है, जहाँ टके सेर भाजी और टके सेर खाजा है ?

गोबरधनदास - अंधेर नगरी, चौपट्ट राजा, टके सेर भाजी, टके सेर खाजा।

उत्तर -

गोबरधनदास - गुरु जी .... टके सेर खाजा।

प्रसंग : प्रस्तुत अवतरणत भारतेंदु हरिश्चंद्र द्वारा रचित सुप्रसिद्ध नाटक 'अंधेर नगरी' से लिया गया है। इस अंश में जब महंत जी का शिष्य गोवर्धनदास बाज़ार से भारी मात्रा में मिठाई खरीदकर लौटता है, तब गुरु (महंत) और शिष्य के बीच उस विचित्र नगरी की अव्यवस्था को लेकर बातचीत हो रही है।

व्याख्या : गोवर्धनदास अत्यंत प्रसन्न होकर अपने गुरु (महंत जी) से कहता है कि उसे भिक्षा में केवल सात पैसे मिले थे, और यहाँ सब कुछ इतना सस्ता है कि उन्हीं चंद पैसों से उसने इतनी सारी मिठाई खरीद ली है। शिष्य की बात सुनकर महंत जी अचरज में पड़ जाते हैं। वे कहते हैं कि जब उनके दूसरे शिष्य नारायणदास ने बताया था कि इस नगर में सब कुछ 'टके सेर' (बहुत सस्ता और एक ही दाम पर) मिलता है, तो उन्हें उसकी बात पर भरोसा नहीं हुआ था।

महंत जी उत्सुकता और चिंतावश गोवर्धनदास से पूछते हैं कि आखिर यह कौन सा अनोखा नगर है और यहाँ का राजा कौन है, जहाँ खाने की साधारण सब्ज़ी (भाजी) और कीमती मिठाई (खाजा) दोनों एक ही भाव, यानी टके सेर बिक रहे हैं? इस पर गोवर्धनदास जवाब देता है कि इस नगर का नाम 'अंधेर नगरी' है और यहाँ का राजा 'चौपट राजा' है, जहाँ गुण और अवगुण, अच्छी और बुरी चीज़ों में कोई अंतर नहीं है और सब कुछ एक ही बराबर दाम पर मिलता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

विशेष :

1. सरल, सुबोध और आम बोलचाल की खड़ी बोली हिंदी है। संवादात्मक और व्यंग्यात्मक है। इसके माध्यम से एक अयोग्य शासक की व्यवस्था पर करारा प्रहार किया गया है।
2. यह गद्यांश दर्शाता है कि जहाँ न्याय और अन्याय में फर्क न हो, वैसी जगह पर रहना बुद्धिमान व्यक्ति के लिए खतरनाक हो सकता है।

अथवा

(ख) वह 'स्व' के बंधन को आसानी से नहीं छोड़ सकता। अपने आप पर अपने-आपके द्वारा लगाया हुआ बंधन हमारी संस्कृति की बड़ी भारी विशेषता है। मैं ऐसा नहीं मानता कि जो कुछ हमारा पुराना है, जो कुछ हमारा विशेष है उससे हम चिपटे ही रहें। पुराने का 'मोह' सब समय वांछनीय ही नहीं होता। मरे बच्चे को गोद में दबाये रहने वाली बंदरिया मनुष्य का आदर्श नहीं बन सकती।

उत्तर -

वह 'स्व' के .... नहीं बन सकती।

प्रसंग : यह अवतरण आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी द्वारा लिखित सुप्रसिद्ध विचारात्मक निबंध 'नाखून क्यों बढ़ते हैं?' से लिया गया है। इस अंश में लेखक ने मनुष्य की संस्कृति, पुराने के प्रति उसके मोह और खुद पर नियंत्रण (स्व-बंधन) रखने की मानवीय प्रवृत्ति पर गहराई से विचार किया है।

व्याख्या : लेखक कहते हैं कि मनुष्य स्वभाव से ही अपने व्यक्तिगत बंधनों ('स्व' यानी स्वयं द्वारा तय किए गए अनुशासन) को इतनी आसानी से नहीं त्याग पाता। अपने मन और आचरण पर खुद का नियंत्रण रखना ही हमारी भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी और गौरवमयी विशेषता है। परंतु, लेखक साथ ही एक चेतावनी भी देते हैं। वे कहते हैं कि इसका मतलब यह कतई नहीं है कि जो कुछ भी हमारा पुराना है या पुरानी परंपराएँ हैं, हम आँखें मूँदकर हमेशा उनसे चिपके रहें।

अतीत की हर बात या हर पुरानी परंपरा हमेशा स्वीकार करने योग्य (वांछनीय) नहीं होती। समय के साथ जो बेकार हो चुका है, उसे छोड़ देना चाहिए। इस बात को समझाने के लिए वे पशु-जगत का एक सटीक उदाहरण देते हैं कि एक बंदरिया अपने मरे हुए बच्चे को ममता के वश में होकर हर समय अपनी छाती से चिपकाए रखती है, लेकिन उसका यह व्यवहार मनुष्य का आदर्श नहीं बन सकता। मनुष्य को बुद्धिमान होना चाहिए, उसे पुरानी रूढ़ियों को छोड़कर आगे बढ़ना चाहिए।

विशेष :

1. **भाषा :** तत्सम प्रधान, गंभीर और दार्शनिक खड़ी बोली हिंदी है।
2. **शैली :** विचारात्मक, तर्कपूर्ण और उदाहरणात्मक है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

3. **अलंकार/बिंब :** 'मरे बच्चे को गोद में दबाए बंदरिया' के प्रतीक द्वारा अंधविश्वास और रूढ़िवादिता पर तीखा प्रहार किया गया है।

35. निम्नलिखित गद्यांश का सार एक-तिहाई शब्दों में लिखिए :

संसार में सभी पदार्थ प्रकृति की देन हैं। उन्हें मानव ने उसी अवस्था में ग्रहण किया है। उन्हीं के द्वारा प्रकृति का यह चक्र गतिशील रहता है। परन्तु कुछ पदार्थ जो मनुष्य द्वारा निर्मित हैं, प्लास्टिक भी उनमें से एक है जो आजकल पर्यावरण के लिए चिन्ता का कारण बना हुआ है। प्लास्टिक के आविष्कार ने दुनिया को रंग-बिरंगा और आकर्षक बना दिया है। घर का सारा फर्नीचर, वाहन, खिलौने, दरवाज़े-सब पर प्लास्टिक ने अपना साम्राज्य स्थापित कर दिया है। एक भी ऐसा घर नहीं मिलेगा जहाँ प्लास्टिक की बनी वस्तुओं का उपयोग न होता हो। पहले कागज़ और कपड़े का उपयोग होता था। पहले कागज़ और कपड़े के लिफाफे फट जाया करते थे परन्तु प्लास्टिक के आ जाने से मानव जीवन सुखद हो गया है। तरल पदार्थ से लेकर भारी भरकम सामानों की पैकिंग प्लास्टिक से बने थैले-थैलियों में होने लगी है। यह सुविधाजनक साधन है। इसका सबसे बड़ा दोष यह है कि यह घुलनशील नहीं है। इससे पर्यावरण को बहुत हानि पहुँच रही है। इसलिए सरकार इसके प्रयोग पर प्रतिबंध लगा रही है। इसका प्रयोग करने वालों पर जुर्माना लगाने का भी निर्णय लिया गया है। इसका प्रयोग बंद करके पर्यावरण की रक्षा करने में हमें सहायक बनना चाहिए।

उत्तर - आधुनिक जीवन में अपनी सुविधा और आकर्षण के कारण प्लास्टिक का उपयोग अत्यधिक बढ़ गया है। पैकिंग से लेकर घरेलू फर्नीचर तक हर जगह इसका साम्राज्य स्थापित है। परन्तु इसका अघुलनशील होना वर्तमान में पर्यावरण के लिए गंभीर संकट बन चुका है। इसी दुष्प्रभाव को रोकने के लिए सरकार इस पर प्रतिबंध और जुर्माना लगा रही है। अतः पर्यावरण रक्षा हेतु हमें प्लास्टिक का उपयोग बंद करना चाहिए।

36. अपने क्षेत्र में मच्छरों के प्रकोप का वर्णन करते हुए उचित कार्यवाही करने के लिए स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए।

उत्तर -

सेवा में,

स्वास्थ्य अधिकारी,

नगर निगम,

दिल्ली, 110018

दिनांक : 18 जून 2026

विषय : क्षेत्र में बढ़ते मच्छरों के प्रकोप और सफाई व्यवस्था के संबंध में।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

महोदय/महोदया,

मैं इस पत्र के माध्यम से आपका ध्यान हमारे क्षेत्र [अपने मोहल्ले/क्षेत्र का नाम] में बढ़ते मच्छरों के अत्यधिक प्रकोप की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। पिछले कुछ हफ्तों से हमारे इलाके में मच्छरों की संख्या बहुत बढ़ गई है, जिससे स्थानीय निवासियों का जीना दूभर हो गया है।

इस स्थिति का मुख्य कारण क्षेत्र की नालियों की नियमित सफाई न होना और खाली भूखंडों (Plots) में रुका हुआ गंदा पानी है। जगह-जगह लगे गंदगी के ढेरों के कारण मच्छरों को पनपने का अनुकूल वातावरण मिल रहा है। यदि समय रहते इस पर काबू नहीं पाया गया, तो क्षेत्र में डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी जानलेवा बीमारियाँ फैलने की पूरी आशंका है।

अतः आपसे विनम्र निवेदन है कि हमारे क्षेत्र में तुरंत कीटनाशक दवाइयों और फॉगिंग (धुआँ छोड़ने वाली मशीन) का छिड़काव कराया जाए तथा सफाई कर्मचारियों को नियमित सफाई के निर्देश दिए जाएँ। आपकी इस त्वरित कार्यवाही के लिए हम सभी क्षेत्रवासी आपके सदैव आभारी रहेंगे।

भवदीय,

उमाकांत

अथवा

मेडिकल परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर अपने बड़े भाई को बधाई-पत्र लिखिए।

उत्तर -

तिलक नगर,

दिल्ली - 110018

दिनांक : 18 जून 2026

आदरणीय भैया, सादर प्रणाम।

हम सब यहाँ सकुशल हैं और आशा करते हैं कि आप भी वहाँ पूरी तरह स्वस्थ और सानन्द होंगे। कल शाम ही मुझे समाचार मिला कि आपने मेडिकल प्रवेश परीक्षा (NEET) में न केवल सफलता प्राप्त की है, बल्कि पूरे राज्य में बहुत अच्छी रैंक हासिल की है। यह खबर सुनते ही घर में सभी की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। माताजी और पिताजी का सीना गर्व से चौड़ा हो गया है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

आपकी इस शानदार सफलता पर मेरी तरफ से आपको कोटि-कोटि बधाई! मैं जानता हूँ कि इस परीक्षा को पास करने के लिए आपने दिन-रात एक करके कितनी कठिन मेहनत की थी। आज आपकी उसी लगन, धैर्य और अनवरत परिश्रम का फल हम सबके सामने है। आपने हम सभी का सिर समाज में ऊँचा कर दिया है।

मुझे पूरा विश्वास है कि आप भविष्य में भी इसी तरह सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे और एक योग्य डॉक्टर बनकर देश व समाज की सेवा करेंगे। जब आप घर आएँगे, तो हम सब मिलकर इस खुशी का जश्न मनाएँगे। एक बार फिर से आपको इस गौरवमयी सफलता की बहुत-बहुत बधाई। अपना ख्याल रखिएगा।

आपका अनुज (छोटा भाई)

37. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबंध लिखिए :

(क) भारत की सांस्कृतिक एकता

(ख) नैतिक मूल्यों के उत्थान में शिक्षक की भूमिका

(ग) मधुर वचन है औषधि

(घ) बाढ़ का विनाशकारी दृश्य

उत्तर -

(क) भारत की सांस्कृतिक एकता

1. भूमिका :

'अनेकता में एकता' भारतीय संस्कृति का मूल मंत्र और इसकी सबसे बड़ी विशेषता है। भारत एक विशाल और प्राचीन देश है, जहाँ कदम-कदम पर विविधता देखने को मिलती है। यहाँ अलग-अलग राज्यों में विभिन्न भाषाएँ, पहनावे, खान-पान और धार्मिक रीति-रिवाज प्रचलित हैं। इसके बावजूद, उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक पूरा भारत एक अदृश्य सांस्कृतिक सूत्र में बँधा हुआ है।

2. विषय वस्तु :

भौगोलिक और भाषाई दृष्टि से भारत में अत्यधिक भिन्नता है। हमारे देश में हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, जैन और बौद्ध जैसे विभिन्न धर्मों के लोग सदियों से एक साथ रहते आ रहे हैं। यहाँ संविधान द्वारा मान्यता प्राप्त 22 मुख्य भाषाएँ और सैकड़ों बोलियाँ बोली जाती हैं। जहाँ उत्तर भारत का खान-पान और रहन-सहन दक्षिण भारत से अलग है, वहीं पूर्वोत्तर राज्यों की परंपराएँ पश्चिमी राज्यों से भिन्न हैं।

इस प्रत्यक्ष विविधता के भीतर एक गहरी आंतरिक और सांस्कृतिक एकता समाहित है। हमारे त्योहार, तीर्थ स्थल और नैतिक मूल्य इस एकता को सुदृढ़ करते हैं। दीपावली, ईद, होली, क्रिसमस और पोंगल जैसे त्योहार भले ही अलग-अलग

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

ढंग से मनाए जाते हों, लेकिन इनके पीछे छिपी खुशी, भाईचारा और सद्भावना की भावना एक जैसी ही होती है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक फैले अमरनाथ, बद्रीनाथ, जगन्नाथ पुरी और रामेश्वरम जैसे पावन तीर्थ स्थल भौगोलिक सीमाओं को तोड़कर भारतीयों को एक सूत्र में पिरोते हैं। रामायण, महाभारत और गीता के संदेश पूरे देश के नैतिक आचरण का आधार हैं।

3. उपसंहार (निष्कर्ष) :

भारत की सांस्कृतिक एकता बाहरी ताकतों द्वारा थोपी हुई नहीं है, बल्कि यह यहाँ के लोगों के अंतर्मन से उपजी 'वसुधैव कुटुंबकम्' (पूरी पृथ्वी ही हमारा परिवार है) की दार्शनिक भावना पर आधारित है। स्वतंत्रता संग्राम के समय भी इसी सांस्कृतिक चेतना ने पूरे देश को एकजुट किया था। आज के आधुनिक दौर में इस एकता को बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है, क्योंकि यही सांस्कृतिक संप्रभुता भारत को विश्व पटल पर एक शक्तिशाली और अद्वितीय राष्ट्र बनाती है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

Thank you!

We hope you found this material helpful. We wish you the very best for your examination.

Strive for Excellence – Your Path to Success